RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:170 ता. 25 दिसम्बर 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कर्नाटक हिजाब राजनीति फिर से सुर्खियों में : कांग्रेस ने हटाया प्रतिबंध, भाजपा ने दी संघर्ष की चेतावनी

बेंगलुरु। कर्नाटक में हिजाब की राजनीति, जिसने पिछले साल भाजपा शासन के दौरान छात्र समुदाय को सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करने और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को खतरे में डाल दिया था, एक बार फिर सामने आ गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की घोषणा कि वह छात्रों और कॉलेज के छात्रों (कक्षा 11 और 12) के लिए हिजाब पर प्रतिबंध हटा देंगे, ने इस मुद्दे पर एक बड़ी बहस शुरू कर दी है। विपक्षी बीजेपी ने आने वाले दिनों में कलह का संकेत दिया है। शैक्षणिक विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में मुस्लिम लड़कियां, जिन्हें स्कूल और कॉलेज जाने से वंचित रखा गया था, अब अपने घरों से बाहर निकल सकेंगी और अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। राजनीतिक विश्लेषकों ने बताया कि सीएम सिद्धारमैया की घोषणा मुसलमानों के वोटों को मजबूत करने के लिए एक सोचा-समझा राजनीतिक कदम है। यह अयोध्या में श्री राम मंदिर के उद्घाटन की पृष्ठभूमि में बढ़ती हिंदुत्व लहर का मुकाबला करने के लिए भी है। वे यह भी बताते हैं कि यह घोषणा 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की लहर का मुकाबला करने और बाहुबल राष्ट्रवाद के उदय को रोकने के लिए भी है। पूर्व सीएम बी.एस. येदियुरप्पा ने कहा कि हालांकि भाजपा हिजाब प्रतिबंध हटाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित नहीं करेगी, लेकिन लोग आगामी संसदीय चुनावों में कांग्रेस को सबक सिखाएंगे। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि ने कहा कि हिंदू छात्र अब मांग कर रहे हैं कि उन्हें भगवा शॉल और तिलक का इस्तेमाल की अनुमति दी जाए। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता करुणाकर कसाले ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, सीएम सिद्धारमैया के सत्ता संभालने के बाद, वह कर्नाटक में तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। वह समुदायों को बांट रहे हैं। उन्होंने कहा, राज्य में सूखा है। कोई भी मंत्री इसके बारे में बात नहीं कर रहा है। वे लोगों को जवाब नहीं दे रहे हैं। वे राजनीति कर रहे हैं और मुद्दों को भटका रहे हैं। करुणाकर कसाले ने कहा,यह बयान एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने के बारे में है। कांग्रेस ने कर्नाटक के लोगों को धोखा दिया है।

खेल मंत्रालय ने कुश्ती संघ को सस्पेंड किया

पद्मश्री वापस लूंगा, साक्षी मलिक संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेंगी-बजरंग

नई दिल्ली। पिछले 11 महीनों से विवादों में घिरी रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की नई बॉडी को खेल मंत्रालय ने रविवार 24 जनवरी को सस्पेंड कर दिया। 3 दिन पहले 21 दिसंबर को ही ब्रृजभूषण के चुनाव हुए थे, जिसमें भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह नए प्रेसिडेंट बने थे। नए अध्यक्ष की जीत के बाद WFI ने 28 दिसंबर से उत्तर प्रदेश के गोंडा में जूनियर नेशनल चैंपियनशिप टूर्नामेंट करने की घोषणा की थी। गोंडा भाजपा सांसद बृजभूषण का संसदीय क्षेत्र है। रेसलर्स ने बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। खेल मंत्रालय के WFI की नई टीम पर कार्रवाई के पीछे इसी को वजह माना जा रहा है। खेल मंत्रालय के इस फैसले पर साक्षी मलिक की मां कृष्णा मलिक ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा- मेरी बेटी कुश्ती से संन्यास के फैसले पर दोबारा विचार करेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री के घर के बाहर फुटपाथ पर पद्मश्री रखकर आए पहलवान बजरंग पुनिया ने भी सम्मान वापस लेने की बात कही है। बृजभूषण के करीबी की जीत के विरोध में ओलिंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास का ऐलान कर दिया था। पहलवान बजरंग पुनिया ने भी पद्मश्री लौटा दिया था। गूंगा पहलवान ने भी पद्मश्री लौटाने की घोषणा कर दी थी।

WFI की पिछली बॉडी में बृजभूषण के अध्यक्ष रहते संजय सिंह जॉइंट सेक्रेटरी थे। संजय सिंह चुनाव में कॉमनवेल्थ चैंपियन अनीता सिंह श्योराण को हराकर नए अध्यक्ष बने थे। संजय की जीत के बाद बृजभूषण के बेटे ने कहा था कि हमारा दबदबा पहले था और आगे भी रहेगा।

संजय सिंह बोले-फैसले से आश्चर्यचकित हूं, खेल मंत्रालय से इस बारे में पूछूंगा

संजय सिंह ने खेल मंत्रालय के एक्शन पर आश्चर्य जताया। उन्होंने कहा- खेल मंत्रालय ने जो भी निर्णय लिया है। मैं इसका

स्वागत करता हूं। मगर मैं इस फैसले से आश्चर्य चकित हूं। मैं खेल मंत्रालय से इस बारे में पूछूंगा। संजय सिंह ने कहा- मैंने कहीं भी पहलवानों का कोई अपमान नहीं किया। मैं गोंडा जिले के नंदनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में 3 दिवसीय नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन किया था, ताकि अंडर-15 और अंडर- 20 के बच्चों का साल न बर्बाद हो और वह कुश्ती चैंपियनशिप में हो जाएं। वहीं, बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने दैनिक भास्कर ने कहा कि इस मामले को लेकर मुझे अभी कोई नहीं बयान देना है। मुझे खेल मंत्रालय की तरफ से अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। जैसे ही खेल मंत्रालय से मेरी बात होती है। आप लोगों को जानकारी दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बृजभूषण भाजपा अध्यक्ष नड्डा के घर पहुंचे हैं। साक्षी मलिक ने भी गोंडा में टूर्नामेंट कराए जाने को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा- मैंने कुश्ती छोड़ दी है पर कल रात से परेशान हूं। वे जूनियर महिला पहलवान क्या करें जो मुझे फोन करके बता रही हैं कि दीदी इस 28 तारीख से जूनियर नेशनल होने हैं और वो नई कुश्ती फेडरेशन ने नन्दनी नगर गोंडा में करवाने का फैसला लिया है। WFI के चुनाव में संजय सिंह के अध्यक्ष चुने जाने से बृजभूषण के खिलाफ धरना देने वाले रेसलर नाखुश थे। दिल्ली में गुरुवार शाम को रेसलर बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान साक्षी मलिक भावुक हो गईं और कुश्ती छोड़ने का ऐलान कर दिया। उन्होंने अपने जूते उतारकर टेबल पर रख दिए और वहां से उठकर चली गईं।

संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के बाद पहलवान बजरंग पूनिया ने 22 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोशल मीडिया के जरिए चिट्?ठी लिखकर पद्मश्री अवॉर्ड लौटाने का ऐलान किया। बजरंग पूनिया ने लिखा कि मैं अपना पद्मश्री पुरस्कार प्रधानमंत्री जी को वापस लौटा रहा हूं। कहने के लिए बस मेरा यह पत्र है। इस चिट्ठी में बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती संघ पर बृजभूषण के करीबी संजय सिंह की जीत का विरोध जताया। बजरंग अवॉर्ड लौटाने प्रधानमंत्री आवास पर गए थे, लेकिन अंदर जाने की परमिशन नहीं मिली तो उन्होंने अवॉर्ड वहीं फुटपाथ पर रख दिया।

आतंकियों ने मस्जिद में

नमाज पढ़ रहे रिटायर एसएसपी की कर दी गोली मारकर हत्या

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में रविवार सुबह आतंकवादियों ने एक रिटायर पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब रिटायर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहम्मद शफी गंतमुल्ला इलाके में एक मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर कहा, आतंकवादियों ने गेंटमुल्ला में एक रिटायर पुलिस अधिकारी मोहम्मद शफी पर मस्जिद में अजान पढ़ते समय गोलीबारी की और उनकी मौत हो गई।

जम्मू-कश्मीर में सर्च ऑपरेशन जारी

आपको बता दें कि हाल ही में जम्मू कश्मीर में सेना के दो वाहनों पर हमला करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिये बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने घने जंगली इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान शुरू किया, जिसमें राजौरी का निकटवर्ती थानामंडी भी शामिल है । हालांकि, फरार आतंकवादियों का अब तक पता नहीं चल पाया है। शनिवार दोपहर ढेरा की गली इलाके में एक जंगल के अंदर गोलीबारी की आवाज सुनी गई। सुरक्षा एजेंसियों ने बाद में स्पष्ट किया कि सुरक्षा बलों ने एक प्राकृतिक गुफा की जांच के दौरान यह गोली चलायी थी ।

● जम्मू-कश्मीर के बारामूला में आतंकवादियों ने मस्जिद में नमाज पढ़ रहे रिटायर पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी है। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बिहार में भी मिले शराब पीने की छूट, लागू हो गुजरात मॉडल

जीतनराम मांझी की नीतीश कुमार से मांग

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने गुजरातकी तरह बिहार में भी शराब पीने की छूट देने की मांग की है। मांझी ने कहा कि जैसे गुजरात में इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट) को शराबबंदी कानून में छूट देने की घोषणा की गई है, वैसे ही बिहार में भी शराब की खपत पर नियमों में ढील देने की आवश्यक्ता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार में गुजरात का शराबबंदी का नया मॉडल लागू करना चाहिए, क्योंकि इससे व्यापार और विदेशी मुद्रा में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, बिहार को लगातार राजस्व का नुकसान हो रहा है। शराबबंदी (2016 में) के कारण राज्य में पर्यटन को नुकसान हुआ है। मैंने यह बार-बार कहा है कि सीमित मात्रा में शराब का सेवन गरीबों और

श्रमिकों सहित अन्य लोगों के लिए फायदेमंद है। मांझी ने कहा, मैं इस तरह का निर्णय लेने के लिए गुजरात सरकार को धन्यवाद देता हूं। अगर बिहार में भी ऐसा किया जाता है तो विदेशी मुद्रा में 10 गुना वृद्धि होगी।

जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, 2005 से 2010 तक नीतीश कुमार ने हर घर में शराब उपलब्ध कराई और आज वह कह रहे हैं कि वह शराब पीने के खिलाफ हैं।

आपको बता दें कि 2016 में बिहार सरकार ने राज्य भर में शराब की बिक्री, खरीद, खपत, निर्माण और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। यदि कोई भी निषेध कानून का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो भारी जुर्माना और सख्त सजा का प्रावधान है। वहीं, गुजरात सरकार ने शुक्रवार को गिफ्ट सिटी में ÷वाइन एंड डाइन÷ सेवा प्रदान करने वाले होटलों, रेस्तरां और क्लबों में शराब के सेवन की अनुमति दे दी। यह गुजरात में शराब की खपत में पहली ऐसी छूट है।

भगवान राम की अयोध्या जाएगा मां सीता के मायके जनकपुरधाम से 'भार'

काठमांडू/अयोध्या। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए मां सीता के मायके जनकपुरधाम से 'भार' भेजा जाएगा। मिथिला परंपरा के अनुसार इस 'भार' को जनकपुरधाम स्थित जानकी मंदिर के नेतृत्व में समर्पित किया जाएगा। यह जानकारी जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंत राम रोशन दास ने दी। उन्होंने 'भार' का हिस्सा बनने के लिए जनकपुरधामवासियों का आह्वान किया है। इच्छुक लोग अपना भार तीन जनवरी तक जानकी मंदिर में जमा करा सकते हैं। 'भार' के रूप में 51 प्रकार की मिठाइयां, दही, मखाना, वस्त्र, आभूषण, चांदी के बर्तन आदि सामग्री अयोध्या भेजी जाएगी। महंत राम रोशन दास ने बताया कि 'भार' पैदला यात्रा लिए 1100 लोगों की समिति का गठन किया गया है। यह यात्रा जानकी मंदिर के प्रमुख महंत राम तपेश्वर दास के नेतृत्व में चार जनवरी को जनकपुरधाम से प्रस्थान करेगी। बीरगंज में रात्रि विश्राम कर पांच जनवरी को अयोध्या के लिए रवाना होगी। छह जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित भव्य आयोजन में इस 'भार' को समर्पित किया जाएगा। जानकी मंदिर के महंत को 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सहभागी होने के लिए निमंत्रण मिला है।

कौन हैं अविनाश पांडे ? कांग्रेस ने प्रियंका गांधी को हटाकर दी है उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। लोसकभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल हुआ है। अविनाश पांडे को उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इससे भी बड़ी बात है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को हटाकर उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। वह पहले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के झारखंड प्रभारी रह चुके हैं। वहीं, प्रियंका गांधी अब बिना किसी निर्धारित विभाग के महासचिव बन गई हैं। उनके पास फिलहाल कोई जिम्मेदारी नहीं है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अविनाश पांडे ने उत्तर प्रदेश के पार्टी प्रभारी के रूप में नियुक्ति के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी नेता राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी,

● इससे भी बड़ी बात है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को हटाकर उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। वह पहले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के झारखंड प्रभारी रह चुके हैं।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी जी, हमारे नेता राहुल गांधी जी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल जी द्वारा मुझ पर दिखाए गए विश्वास के लिए असीम आभार। मैं उस विश्वास का सम्मान करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। मैं उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव के रूप में नियुक्ति को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं।

कौन हैं अविनाश पांडे?

पूर्व राज्यसभा सांसद अविनाश पांडे पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य थे। इस नियुक्ति से पहले वह झारखंड में पार्टी प्रभारी थे।

वह पार्टी की छात्र शाखा के माध्यम से कांग्रेस में शामिल हुए। उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी में कई पद सौंपे गए।

वह पेशे से वकील हैं। उन्हें 2010 में महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद के रूप में चुना गया था। वह नागपुर के रहने वाले हैं। वह पहले महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं।

2018 विधानसभा चुनाव से पहले वह झारखंड के अलावा राजस्थान के भी पार्टी प्रभारी थे।

अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच खींचतान के बीच पांडे को पद से हटा दिया गया था। बाद में 2022 में झारखंड का प्रभार दिया गया।

लाल सागर में युद्ध जैसा माहौल, भारत का झंडा लगे एक जहाज पर ड्रोन अटैक

नई दिल्ली। अमेरिकी सेना ने आज कहा कि भारत जा रहा एक कच्चे तेल का टैंकर लाल सागर में यमन के हौथी विद्रोहियों द्वारा दागे गए ड्रोन की चपेट में आ गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर लिखा, एम/वी साईबाबा में भारतीय सवार थे। इस हमले के बाद किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि जहाज ने एक अमेरिकी जहाज को एक इमरजेंसी कॉल भेजा।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला कल रात लगभग 10:30 बजे के आसपास हुआ। इसके कुछ घंटों बाद भारतीय तट पर एक और टैंकर पर हमला हुआ, जिसके लिए अमेरिका ने ईरान को जिम्मेदार ठहराया।

दो जहाजों ने दक्षिणी लाल सागर में गश्त कर रहे अमेरिकी नौसैनिक जहाज को सूचित किया था कि उन पर हमला हो रहा है। अमेरिकी सेना ने कहा कि उनमें से एक पर नॉर्वेजियन का झंडा लगा था।

एक दूसरे जहाज एम/वी साईबाबा ने बताया कि उस पर एकतरफा हमला करने वाले ड्रोन ने हमला किया था। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अमेरिकी सेना ने कहा कि यूएसएस लेबून ने इन हमलों से संकटपूर्ण कॉल का जवाब दिया। आपको बता दें कि इन घटनाओं से पहले अमेरिकी विध्वंसक ने यमन के हौथी-नियंत्रित क्षेत्रों से आने वाले चार ड्रोनों को मार गिराया था।

अरब सागर में पोत पर ड्रोन से हमला

इससे पहले, भारत के पश्चिमी तट के पास अरब सागर में 21 भारतीय चालक दल वाले एक व्यापारिक पोत पर शनिवार को ड्रोन से हमला किया गया। विस्फोट के बाद पोत पर आग लग गई। सैन्य सूत्रों के अनुसार इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। सूत्रों ने बताया कि यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने घटना की सूचना दी। इसके बाद भारतीय नौसेना का पी-8आई समुद्री गश्ती विमान घटनास्थल की तरफ रवाना हो गया। बताया जा रहा है कि पोत सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर कच्चा तेल ला रहा था। पोत पर सवार चालक दल के 22 सदस्यों में से 21 भारतीय हैं।

भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में भेजे गए एक समुद्री गश्ती विमान ने व्यापारिक जहाज के ऊपर से उड़ान भरी और उसके साथ संपर्क स्थापित किया। इस दौरान विमान ने पोत और उसके चालक दल की सुरक्षा का पता लगाया। नौसेना ने मालवाहक जहाज की सुरक्षा के लिए पहले ही एक फ्रंटलाइन युद्धपोत भेज दिया है। पता चला है कि भारतीय तटरक्षक बल ने अपने जहाज आईसीजीएस विक्रम को पोत की मदद को भेज दिया गया। सैन्य सूत्रों ने कहा कि जहाज अब निकटतम बंदरगाह की ओर जा रहा है।

प्रदूषण से कराह रही दिल्ली में शुरु हो सकती है ऑनलाइन पढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यहां की हवा इतनी जहरीली हो रही है कि लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है। ऐसे में यहां ग्रैप 3 की पाबंदिया एक बार फिर लागू की गई हैं। एक्यूआर 400 के पार हो गया है। बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली सरकार स्कूलों की पढ़ाई ऑनलाइन करने पर विचार कर रही है। हो सकता है कि आने वाले समय में यहां ऑनलाइन पढ़ाई शुरु हो जाए। दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए सरकार कक्षा पांचवी तक के लिए ऑनलाइन क्लास की अनुमति दे सकती है। इसके अलावा ग्रैप 4 की पाबंदिया भी लागू की जा सकती है। बता दें, इससे पहले यहां के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने ग्रैप 3 के तहत प्रतिबंध लागू करने की घोषणा की थी। इसके तहत निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों को बैन करने के साथ ही बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहन चलाने की इजाजत नहीं है। शनिवार को दिल्ली में एक्यूआई 450 दर्ज किया गया था जो गंभीर श्रेणी में आता है। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ दिनों में प्रदूषण की यही स्थिति बरकरार रह सकती है और इससे राहत मिलने की संभावना बेहद कम है।

जेएनयू में लागू नियमों के विरोध में मशाल लेकर निकले छात्र

नई दिल्ली। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों ने मशाल जुलूस निकाला है। यह जुलूस यहां लागू किए गए नियमों के विरोध में निकाला गया है। दरअसल जेएनयू प्रबंधन ने कुछ नए नियम बनाए हैं जिसके खिलाफ छात्रों ने शनिवार को मशाल जुलूस निकाला है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संगठन से जुड़े कुछ छात्र संगठनों मसलन तथा हॉस्टल के अध्यक्ष ने मशाल जुलूस निकाला। प्रदर्शन कर रहे छात्र चीफ प्रॉक्टर कार्यालय के मैनुअल का विरोध कर रहे थे और इसे तानाशाही कह रहे थे। नए नियमों के मुताबिक, अब जेएनयू के प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रदर्शन करने पर छात्रों पर 20,0000 रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया जा सकता है और देश-विरोधी नारे लगाने पर 10,000 रुपये तक नारा लगाया जा सकता है। इन नए नियमों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्र सीपीओ मैनुअल वापस लो और फाइन राज बंद करो के नारे लगा रहे थे। बताया जा रहा है कि छात्र विश्वविद्यालय के गंगा ढाबा के पास जुटे थे और चंद्रभाग हॉस्टल तक उन्होंने मार्च किया। छात्रों ने कहा कि सीपीओ मैनुअल के खिलाफ उनका प्रदर्शन जारी रहेगा और वो अगर इसे वापस नहीं लिया जाता है कि भूख हड़ताल भी करेंगे। यह जेएनयू की परंपरा हो गई है कि छात्र संगठन तानाशाही नियमों के खिलाफ लड़ते है और छात्र संगठन अपना आवाज उठाते रहे हैं। जेएनयू स्टुडेन्ट्स यूनियन के अध्यक्ष आयशी घोष ने कहा, हम सीपीओ मैनुअल के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हम भूख हड़ताल पर भी बैठेंगे। ताकि विश्वविद्यालय में लोकतंत्र की रक्षा हो सके।

मांझी ने नीतीश से मांगी बिहार में भी शराब पीने की छूट

पटना। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में भी शराब पीने की छूट देने की मांग की है। उन्होंने गुजरात की तरह यहां भी छूट की मांग करते हुए कहा कि जैसे गुजरात में इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट) को शराबबंदी कानून में छूट देने की घोषणा की गई है, वैसे ही बिहार में भी शराब की खपत पर नियमों में ढील देने की आवश्यक्ता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार में गुजरात का शराबबंदी का नया मॉडल लागू करना चाहिए, क्योंकि इससे व्यापार और विदेशी मुद्रा में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा बिहार को लगातार राजस्व का नुकसान हो रहा है। शराबबंदी के कारण राज्य में पर्यटन को नुकसान हुआ है। मैंने यह बार-बार कहा है कि सीमित मात्रा में शराब का सेवन गरीबों और श्रमिकों सहित अन्य लोगों के लिए फायदेमंद है। मांझी ने कहा ?कि मैं इस तरह का निर्णय लेने के लिए गुजरात सरकार को धन्यवाद देता हूं। अगर बिहार में भी ऐसा किया जाता है तो विदेशी मुद्रा में 10 गुना वृद्धि होगी। पूर्व सीएमस जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, 2005 से 2010 तक नीतीश कुमार ने हर घर में शराब उपलब्ध कराई और आज वह कह रहे हैं कि वह शराब पीने के खिलाफ हैं। गौरतलब है कि 2016 में बिहार सरकार ने राज्य भर में शराब की बिक्री, खरीद, खपत, निर्माण और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। यहां पर यदि कोई भी निषेध कानून का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो भारी जुर्माना और सख्त सजा का प्रावधान है। इधर गुजरात सरकार ने गिफ्ट सिटी में वाइन एंड डाइन सेवा प्रदान करने वाले होटलों, रेस्तरां और क्लबों में शराब के सेवन की अनुमति दे दी।

540 ग्राम हेरोइन के साथ खेत में मिला ड्रोन, बीएसएफ ने किया बरामद

नई दिल्ली। बीएसएफ ने सर्च अभियान के दौरान एक खेत से चीन में निर्मित डीजेआई माविक-3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया गया। जवानों ने इसके साथ पीले रंग की सेलो टेप में लिपटा एक पैकेट भी बरामद किया है। इसमें 540 ग्राम हेरोइन मिली है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पुलिस के साथ संयुक्त सर्च अभियान में सीमांत गांव भैणी राजपूतां के एक खेत से ड्रोन और हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने जांच करने के बाद ड्रोन और हेरोइन का पैकेट स्थानीय पुलिस को सौंप दिया है। इस मामले में बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि बल की एक टुकड़ी शनिवार सुबह पंजाब पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से अमृतसर जिले के सीमांत गांव भैणी राजपूतां में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव के एक खेत में पाकिस्तानी ड्रोन पड़ा है। तुरंत बीएसएफ जवानों ने सुबह करीब 10:58 बजे पंजाब पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त सर्च अभियान चलाया। प्रवक्ता ने बताया ?कि सर्च अभियान के दौरान एक खेत से चीन में निर्मित डीजेआई माविक-3 क्लासिक ड्रोन बरामद किया गया। जवानों ने इसके साथ पीले रंग की सेलो टेप में लिपटा एक पैकेट बरामद किया है। इसमें 540 ग्राम हेरोइन मिली है। पुलिस ने ड्रोन और हेरोइन को कब्जे में लेने के बाद अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सरकारी अस्पताल में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर आयोग ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। बुराड़ी स्थित एक सरकारी अस्पताल में हाउसकीपिंग का काम करने वाली महिला ने यौन उत्पीडन की शिकायत की है। इस मामले में दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने पुलिस को नोटिस जारी कर 26 दिसंबर तक रिपोर्ट देने को कहा है। महिला की शिकायत के बाद डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस और अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को नोटिस जारी कर एफआईआर और कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। पीड़िता ने दावा किया है कि उसने कथित घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है।अधिकारियों को दिए गए नोटिस में कहा गया है, हमें अपने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में एक महिला से शिकायत मिली है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि वह बुराड़ी के सरकारी अस्पताल में हाउसकीपिंग (विभाग) में काम करती है।उसका आरोप है कि 17 दिसंबर को उनके मैनेजर और सुपरवाइजरों ने उसके और एक अन्य महिला स्टाफ के साथ छेड़छाड़ की।शिकायतकर्ता ने कहा है कि 19 दिसंबर को उसके प्रबंधक और पर्यवेक्षकों ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसे परेशान किया और उनकी अनुचित मांगों को नहीं मानने पर उसे ड्यूटी से हटाने की धमकी दी।डीसीडब्ल्यू ने दिल्ली पुलिस से मामले में दर्ज एफआईआर की प्रति और गिरफ्तार आरोपियों का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। पुलिस को दिए गए नोटिस में कहा गया है,यदि किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है, तो कृपया इसके कारण और मामले में विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट दें। मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए कृपया 26 दिसंबर तक आयोग को मांगी गई जानकारी दें।

एक लाख लोग एक साथ करेंगे गीता पाठ, मोदी ने लिखा खास संदेश

कोलकाता। गीता जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक लाख लोग एक साथ गीता का पाठ करेंगे। इसे लेकर पीएम नरेन्द्र मोदी ने खास संदेश लिखा है। जानकारी के अनुसार सामूहिक गीता पाठ लोक्खो कंठे गीता पाठ के आयोजन को लेकर पीएम ने लिखा कि एक लाख लोगों द्वारा गीता का पाठ करने के उद्देश्य से की गई पहल वास्तव में प्रशंसनीय है। इस कार्यक्रम में कई लोग शामिल होने वाले हैं। गीता जयंती के उपलक्ष्य में रविवार यानी आज कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सामूहिक गीता पाठ लोक्खो कंठे गीता पाठ का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम को लेकर पीएम मोदी ने लोगों के नाम संदेश लिखा है।

सदन में व्यवधान इरादातन और रणनीति के तहत था: धनखड़

-कांगेस प्रमुख खरगे के पत्र के जवाब में उपराष्ट्रपति ने बातचीत के लिए बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि सदन में व्यवधान इरादातन और रणनीति के तहत था। उन्होंने कांग्रेस प्रमुख खरगे के पत्र के जवाब में लेटर लिखकर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराया। शनिवार को कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को संसद में व्यवधान और विपक्षी सांसदों के निलंबन के मुद्दे पर बातचीत के लिए 25 दिसंबर को अपने आवास पर आमंत्रित किया और कहा कि उनके बार-बार आग्रह के बावजूद शीतकालीन सत्र के दौरान ऐसी बैठक नहीं हो सकी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सदन में व्यवधान इरादातन था और रणनीति के तहत था। धनखड़ ने पत्र में कहा कि इस प्रकरण में मुख्य विपक्षी दल की पूर्वनियोजित भूमिका की ओर इंगित करके, मैं आपको लज्जित नहीं करना चाहता, लेकिन जब कभी भी मुझे आपसे बातचीत करने का अवसर लाभ मिलेगा, मैं आपसे वह साझा अवश्य करूंगा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे को एक ताजा पत्र में धनखड़ ने लिखा कि हमें आगे बढ़ने की जरूरत है, और उन्हें 25 दिसंबर को या उनकी सुविधानुसार किसी भी समय पर अपने आधिकारिक आवास पर बातचीत के लिए आमंत्रित किया।

धनखड़ ने खरगे के 22 दिसंबर के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें संतोष होता अगर कांग्रेस नेता का यह दावा कि हम संवाद और बातचीत में दृढ़ता से यकीन रखते हैं, वास्तव में चरितार्थ हो पाता। धनखड़ ने पत्र में लिखा है कि पूरे सत्र भर, कभी मैंने सदन के अंदर आग्रह किया तो कभी पत्र लिखकर आपसे संवाद और परामर्श करने का अनुरोध किया, आपसे बातचीत करने के लिए बार बार किया गया मेरा हर प्रयास विफल रहा। धनखड़ ने कहा कि खरगे के दृष्टिकोण के विपरीत, निलंबन का कारण सदन में की जा रही नारेबाजी, तख्ती लहराना, सदन के वेल में घुसने का प्रयास और आसन के सामने अशोभनीय व्यवहार कर, इरादतन पैदा किया जा रहा व्यवधान था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण कदम को उठाने से पहले, मेरे द्वारा सदन में व्यवस्था स्थापित करने के हर प्रयास, हर उपाय किए गए। हालांकि थोड़ी थोड़ी देर के लिए सदन को स्थगित कर, मैंने अपने कक्ष में बुला कर बातचीत करने का भी भरसक प्रयास किया। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने शुक्रवार को धनखड़ को पत्र लिखकर कहा था कि इतने बड़े पैमाने पर सांसदों का निलंबन भारत के संसदीय लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए हानिकारक है।

छह जनवरी को अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचेगा आदित्य एल-1

-इसरो ने देश के पहले सौर मिशन को लेकर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि भारत का पहला सौर मिशन 'आदित्य एल-1 छह जनवरी को अपने गंतव्य स्थान 'लैग्रेंजियन पॉइंट (एल-1) पर पहुंचेगा। यह गंतव्य पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है। इस मिशन को इसरो ने दो सितंबर को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से प्रक्षेपित किया था। यह अंतरिक्ष-आधारित पहली भारतीय वेधशाला है जिसके तहत 'हेलो ऑर्बिट एल1 से सूर्य का अध्ययन किया जाना है। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) विज्ञान भारती द्वारा आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के मौके पर मीडियाकर्मियों से कहा, 'आदित्य एल1 छह जनवरी को एल1 बिंदु में प्रवेश करेगा। ऐसी उम्मीद है। उचित समय पर सटीक समय की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब यह एल1 बिंदु पर पहुंचेगा, तो हमें इंजन को एक बार फिर से चालू करना होगा ताकि यह आगे न बढ़े। यह उस बिंदु तक जाएगा और एक बार जब यह उस बिंदु पर पहुंच जाएगा तो यह इसके चारों ओर घूमने लगेगा और एल1 पर फंस जाएगा। इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा कि जब आदित्य एल1 अपने गंतव्य पर पहुंच जाएगा, तो यह अगले पांच वर्षों तक सूर्य पर होने वाली विभिन्न घटनाओं का पता लगाने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भविष्य में तकनीकी रूप से एक शक्तिशाली देश बनने वाला है। सोमनाथ ने कहा कि इसरो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के अनुसार 'अमृत काल के दौरान एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना भी बनाई है, जिसे 'भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन कहा जाएगा।

चौधरी चरण सिंह की नीतियों से किसान न्याय का मार्ग हुआ प्रशस्त : अखिलेश यादव

-121वीं जयंती पर सपा ने चरण सिंह की नीतियों पर चलने का संकल्प

लखनऊ (एजेंसी)। किसान समृद्धि के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की आर्थिक नीतियों से ही देश में न्याय का रास्ता प्रशस्त हुआ है। शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी उनके रास्ते पर चलते हुए गांवों का विकास तथा किसानों की तरक्की सुनिश्चित करेगी। कांग्रेस राज्य मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार शनिवार को अपने चौथे दिन 'यूपी जोड़ो यात्रा' बिजनौर से शुरू हुई। यात्रा के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व राज्यमंत्री अजय राय ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसान राजनेता चौधरी चरण सिंह की जयंती के मौके पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बिजनौर के बिलई चीनी मिल पर अजय राय ने अपने संबोधन कहा कि इतिहास गवाह है की जब-जब कोई यात्रा जनमानस से जुड़े सरोकार और मुद्दों की आवाज बनते हुए आगे बढ़ी है तो वह बड़े राजनीतिक परिवर्तन का वाहक बनी है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) विपक्षी दलों ने शनिवार को जारी बयान में कहा गया पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती लखनऊ सहित प्रत्येक जिले में सादगी से मनाई गई। अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय के डॉ. राम मनोहर सभागार में उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय लोकदल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, ''किसान मसीहा व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 121वीं जयंती पर विधान भवन स्थित चौधरी साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पार्टी मुख्यालय पर हवन पूजन कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय, राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल एवं अन्य पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद रहे। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी अपना दल (एस) कार्यालय में भी किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जलवायु परिवर्तन मानव जाति के लिए विश्व युद्धों से भी बड़ा खतरा: सोनम वांगचुक

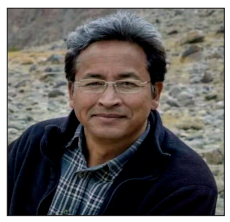

नई दिल्ली (एजेंसी)। रमन मैगसायसाय पुरस्कार विजेता सोनम वांगचुक ने शनिवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव जाति के लिए विश्व युद्धों से भी बड़ा खतरा है। वांगचुक ने पर्यावरण की रक्षा में आदिवासी समुदायों की भूमिका को रेखांकित किया और आधुनिक शहरों के निवासियों से, प्रकृति के करीब रहने वाले लोगों से जीवन जीने का तरीका सीखने का आग्रह किया। वांगचुक को यहां शैक्षणिक सुधारों, सतत परिवर्तन और पर्यावरण के संरक्षण में उनके योगदान के लिए 20वां उपेन्द्र नाथ ब्रह्म 'सोल्जर ऑफ ह्यूमैनिटी' पुरस्कार 2023 प्रदान किया गया। यह पुरस्कार 'यूएन ब्रह्म ट्रस्ट' द्वारा दिया जाता है।

अपने नवाचारों के लिए मशहूर वांगचुक ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास होने चाहिए क्योंकि जलवायु परिवर्तन विश्व युद्धों से भी अधिक खतरनाक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'ग्लोबल वार्मिंग' की चुनौतियों का सामना करने और जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने में दुनिया भर में आदिवासी समुदायों को मजबूत किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''आदिवासी समुदाय के लोगों का ज्ञान और उनकी समझ औद्योगीकरण और तथाकथित आधुनिक जीवन शैली की तुलना में लंबे वक्त के लिए अधिक लाभ प्रदान करने वाली है।'' वांगचुक ने आगाह किया कि ''पांच सितारा शहरों के रूप में दिल्ली या मुंबई या न्यूयॉर्क की संस्कृति'' धरती को नहीं बचाएगी। यह आदिवासी संस्कृति और परंपरा है जो प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करती है।'' उन्होंने कहा कि असम के बोडोलैंड क्षेत्र या लद्दाख के लोगों की पारंपरिक संस्कृति में देश की समृद्धि में योगदान देने की अधिक क्षमता है।

सपा नेता और उसके बेटे पर गैंगरेप का आरोप, वीडियों भी बनाया

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। यहां एक सपा नेता और उसके बेटे पर सामुहिक दुष्कर्म और वीडियों बनाने का आरोप लगा है।

सपा नेता और खुनियांव ब्लॉक के पूर्व ब्लॉक प्रमुख तौलेश्वर निषाद के बेटे अजय कुमार ने शादी करने का झांसा देकर करीब चार महीने पहले उसके साथ संबंध बनाया। उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर कई बार रेप करते रहे। महिला गभर्वती हो गई तो उस पर जबरन गर्भपात कराने का दबाब बनाने लगे। बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। गर्भ ठहरने पर जबरन गर्भपात करा दिया। इसके डेढ़ महीने बाद अजय ने फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बार गर्भ ठहर जाने पर पीड़िता शादी के लिए अड़ गई। 9 दिसंबर की शाम वह अजय के घर गई। अजय के पिता तौलेश्वर निषाद अपने भाई राधेश्याम के साथ उसे इनोवा गाड़ी में बैठाकर अपने दूसरे मकान पर बांसी ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया।

सपा नेता और खुनियांव ब्लॉक के पूर्व प्रमुख तौलेश्वर निषाद, उसके बेटे अजय कुमार और भाई राधेश्याम पर दुष्कर्म पीड़िता का आरोप है कि नौ दिसंबर को तौलेश्वर और राधेश्याम ने उसे गर्भपात कराने के लिए रुपये का लालच दिया। उसने इनकार कर दिया तो वे नाराज हो गए और बांसी ले जाकर दोनों ने उसके साथ रेप किया। इससे पीड़िता बेहोश हो गई। होश आने पर देखा कि घर खुला छोड़कर दोनों फरार हो गए हैं। पीड़िता के मुताबिक वह किसी तरह घर आई और लोकलाज और आरोपियों के डर से कहीं कोई सूचना नहीं दी। जब पेट में पल रहे बच्चे की चिंता हुई तो तहरीर देने की हिम्मत जुटाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख तौलेश्वर निषाद, उसके बेटे अजय कुमार और भाई राधेश्याम के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर शनिवार को बाप-बेटे को बांसी के पटेलनगर से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष कन्हैया लाल मौर्य ने बताया कि महिला ने तहरीर दी है कि पति के साथ उसका संबंध खत्म हो चुका है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी राधेश्याम फरार चल रहा है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगी हुई है।

कर्नाटक में जातीय जनगणना व्यवस्थित ढंग से नहीं करायी गयी, नये सिरे से सर्वेक्षण कराएं: येदियुरप्पा

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता बी एस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि 'जातीय जनगणना' नाम से चर्चित कर्नाटक का सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण व्यवस्थित ढंग से नहीं कराया गया, ऐसे में राज्य की कांग्रेस सरकार से अनुरोध है कि वह नये सिरे से सर्वेक्षण कराए और तथ्यों को लोगों के सामने रखे। कर्नाटक में वर्चस्व रखने वाले दो समुदायों (वोक्कलिगा और लिंगायत) ने भी इस सर्वेक्षण को अवैज्ञानिक करार देते हुए अस्वीकार कर दिया है तथा मांग की है कि इसे खारिज कर नये सिरे से सर्वेक्षण कराया जाए। पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने कहा, ''सभी के दिमाग में यह बात है कि सर्वेक्षण व्यवस्थित ढंग नहीं कराया गया।

मेरी भी ऐसी ही राय है। इसलिए नये सिरे से जाति आधारित सर्वेक्षण कराया जाए तथा तथ्यों से लोगों को अवगत कराया जाए। मैं सरकार से इस दिशा में ईमानदार प्रयास करने की अपील करता हूं।'' येदियुरप्पा लिंगायत समुदाय से आते हैं। साल 2015 में सिद्धरमैया की अगुवाई वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार (2013-2018) ने राज्य में 170 करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च से सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण कराया था जिसे 'जातीय जनगणना' कहा गया था। तत्कालीन अध्यक्ष एच कंठराजू की अध्यक्षता में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को इस जातीय जनगणना की रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी थी। यह सर्वेक्षण सिद्धरमैया के बतौर मुख्यमंत्री पहले कार्यकाल के समापन के समीप 2018 में पूरा हुआ था लेकिन उसे न तो स्वीकार किया गया और न ही सार्वजनिक किया गया था। हाल में बिहार सरकार द्वारा अपनी जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी किये जाने के बाद एक वर्ग की ओर से कर्नाटक सरकार पर जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने का दबाव पड़ने लगा, ऐसे में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा है कि रिपोर्ट मिलने के बाद इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल, वर्तमान अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े की अध्यक्षता वाले कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोगके पास जातीय जनगणना के निष्कर्ष हैं। आयोग को यह रिपोर्ट सरकार को 31 जनवरी, 2024 तक सौंपने को कहा गया है। हिजाब विवाद पर येदियुरप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को समुदायों के बीच विष के बीज बोना बंद करना चाहिए क्योंकि इससे न तो उन्हें और न ही उनकी पार्टी को किसी भी तरह कोई फायदा होगा। उन्होंने कहा, '' अच्छा है कि हमारे दबाव के कारण सिद्धरमैया ने अपना बयान वापस ले लिया है, कम से कम अब तो सदबुद्धि आएगी। हम अल्पसंख्यक विरोधी नहीं हैं। भाजपा मानती है कि हिंदू, ईसाई और मुसलमान को एक मां की संतान के रूप में साथ मिलकर रहना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात कई बार कही है।'' सिद्धरमैया ने शनिवार को स्पष्ट किया कि प्रशासन राज्य में शैक्षिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगी पाबंदी हटाने पर बस विचार भर कर रहा है तथा सरकार के स्तर पर चर्चा करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उससे एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि शैक्षिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर कोई पाबंदी नहीं है तथा परिधान एवं भोजन संबंधी लोगों की पसंद व्यक्तिगत मसला है।

जाटों को साधने में जुटी भाजपा और कांग्रेस, मुद्दों को भुनाने का हो रहा प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले चुनावों में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही जाटों को साधने में जुटे हुए है। यही वजह है कि फिलहाल ये जाटों से संबंधित मुद्दों को भुनाने में लगे हुए हैं। बता दें कि साल 2014 में भाजपा को जाटों का 25-30 फीसदी वोट मिला था। मगर 2019 के चुनाव में वोट शेयर घट गया। यही वजह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में जाटों की नाराजगी का पार्टी को नुकसान भी झेलना पड़ा था। संसद परिसर में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री विवाद और साक्षी मलिक के कुश्ती छोड़ने को जाट समाज से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। उपराष्ट्रपति के समर्थन में भाजपा खड़ी हो गई तो साक्षी समेत अन्य पहलवानों के साथ कांग्रेस नेता आ गए हैं। जहां उपराष्ट्रपति धनखड़ ने अपने विवाद को जाट समाज का अपमान बताया। वहीं भाजपा ने भी इस विवाद को जाट समाज से जोड़ते हुए विपक्ष के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन का एलान किया है। इधनपहलवानों के मुद्दे पर कांग्रेस ने खुलकर समर्थन दिया। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे व सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने पहले बजरंग पुनिया और साक्षी से मुलाकात की। बाद में दोनों को प्रियंका गांधी के निवास पर ले गए। इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने बाक्सर वीरेंद्र के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा नेताओं को घेरा।

दरअसल, इन दोनों विवादों के बीच दोनों राजनीतिक दलों का निशाना कहीं और है। हरियाणा में 10 महीने बाद विधानसभा चुनाव हैं। उससे पहले लोकसभा के चुनाव भी तय हैं। हरियाणा की आबादी में 23-25 फीसदी जाट हैं। राज्य की 90 विधानसभा सीटों में से कम से कम 40 सीटों पर जाटों का महत्वपूर्ण असर है। साल 2014 में भाजपा को जाटों का 25-30 फीसदी वोट मिला था। मगर 2019 के चुनाव में वोट शेयर घट गया। यही वजह है कि पिछले विधानसभा चुनाव में जाटों की नाराजगी का पार्टी को नुकसान भी झेलना पड़ा था। भाजपा के धुरंधर जाट नेता कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़, सुभाष बराला और प्रेमलता को हार का मुंह देखना पड़ा। पॉलिटिक्स ऑफ चौधर के लेखक सतीश त्यागी कहते हैं कि 10 से 15 फीसदी जाट वोट अब भी भाजपा के साथ हैं।

इसीतरह मिमिक्री विवाद के बाद बैकफुट पर खड़ी कांग्रेस को पहलवानों के मुद्दों से उम्मीद जगी है। कांग्रेस साक्षी के कुश्ती छोड़ने के मुद्दे को जाटों के अपमान से जोड़ रही है। एक तरह से कांग्रेस की मजबूरी भी है। हर चुनाव में दूसरी पार्टियों के मुकाबले कांग्रेस को जाट वोट शेयर ज्यादा मिलता रहा है। अगर वह पहलवानों के साथ नहीं खड़े होंगे तो उनके खिलाफ नाकारात्मक संदेश जा सकता है। इसलिए हरियाणा के कांग्रेस नेता पहलवानों के साथ खड़े हैं।

बलूचिस्तान में सड़कों पर उतरे लोग,सिंध में भी उठे बगावती सुर

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान और सिंध में एक बार फिर बगावत शुरु हो गई है। यहां के लोग अपहरण और लोगों की हो रही मौतों से काफी नाराज है। बलूचिस्तान प्रांत में हजारों की संख्या में बलूच सड़क पर उतर गए हैं और पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पाकिस्तानी सेना ने कई बलूच लोगों का पहले अपहरण किया फिर उनको इतना टॉर्चर किया कि उनकी मौत हो गई। सेना के टॉर्चर के बाद कई बलूचों की मौत के बाद पूरा प्रांत ही सड़क पर उतर आया है और इस्लामाबाद के अत्याचारों से तंग आकर संग्राम छेड़ दिया है। शुक्रवार को 1600 किलोमीटर लंबा मार्च निकाला गया था। इस दौरान पाकिस्तान की मौजूदा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जहर उगला। बता दें कि पाकिस्तान में पिछले कई दशक से अलग बलूचिस्तान की मांग उठ रही है। बलूचिस्तान में रह रहे लोग पाकिस्तान से अलग की मांग करते रहे हैं। अब जब एक बार फिर से चिंगारी उठी है तो मुद्दा और गरमा गया है। बलूच नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय नेताओं से भी मदद की मांग की है। बलूच नेताओं का कहना है कि वो पाकिस्तान में नहीं रहना चाहते हैं। वो किसी भी तरह से पाकिस्तान से मुक्ति चाहते हैं। बलूच नेताओं के इस गुस्से के पीछे कई और वजह भी हैं जिसे लेकर वो पाकिस्तान से अलग होने की डिमांड कर रहे हैं। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग की ओर से 2019 में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसके मुताबिक 47 हजार बलोच और 35 हजार पश्तून गायब हैं। 2022 में पैंक की सालाना रिपोर्ट में दावा है कि पाकिस्तान की आर्मी ने बलूचिस्तान में 195 लोगों की हत्या की जबकि 629 लोगों को गायब कर दिया गया। पैंक बलूच नेशनल मूवमेंट का मानवाधिकार विभाग है। बीते दो दशकों से, बलूचिस्तान हिंसक विद्रोह की चपेट में है। अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की शुरुआत के बाद से प्रांत में उग्रवाद तेज हो गया। जिसमें वहां रहने वाले लोग पिस रहे हैं। पाकिस्तान के अंदर जारी इस विरोध प्रदर्शन पर वहां के लोग भी खुलकर बोलने लगे हैं। जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान की समस्या सिर्फ बलूचिस्तान नहीं है बल्कि एक और अलग देश की मांग भी है। अब वहां सिंध प्रांत को भी अलग मुल्क घोषित करने की मांग तेज हो गई, इसके लिए लोग सड़क पर उतर आए हैं। पाकिस्तान पर सिंधी समुदाय पर जुल्म करने का आरोप है, नौकरी और अन्य सुविधाओं में भेदभाव का आरोप है सिंध की कई राष्ट्रवादी पार्टियां भी अलग मुल्क की मुहिम के साथ खड़ी हैं आज से नहीं, 1967 से पाकिस्तान में सिंधुदेश आंदोलन चल रहा है सिंध प्रांत को पाकिस्तान की अनाज की टोकरी कहते हैं।

बलूचिस्तानियों का फर्जी एनकाउंटर कर रही पाकिस्तान सेना

करांची। बलूचिस्तान के लोगों पर जुल्म और अत्याचार करना पाकिस्तानी सेना की आदत में शुमार हो गया है। जिस तरह के वीडियो वायर हो रहे हैं उन्हे देखकर कोई भी देहल जाएगा। बलूचिस्तान की महिलाओं पर गर्म पानी फेंका जा रहा है,लोगों के फेक एनकाउंटर किए जा रहे है। जिसके कारण बलूचिस्तान के लोग हुक्मरानों के जुल्मों-सितम से तंग आ चुके हैं। इसके लिए बलूचिस्तान के लोग पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हजारों की संख्या में बलूचिस्तान के लोग इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। इस मुद्दे पर पाकिस्तानी महिला यूट्यूबर सना अमजद ने एक बलूची शख्स से बात की। सना अमजद से बात करते हुए बलूची शख्स ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। पाकिस्तान में हाल ही में एक बलूच युवक को जबरन गायब करने और उसकी हत्या करने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे दर्जनों लोगों पर इस्लामाबाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछारें और आंसू गैस छोड़ते और बुधवार देर रात उन्हें वैन में खींचते हुए देखा जा सकता है। प्रदर्शनकारियों के लॉन्ग मार्च को भी तितर-बितर कर दिया गया। इस्लामाबाद पुलिस के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, प्रदर्शनकारियों को उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोकने के लिए ये तरीका अपनाया गया और कम से कम बलों का उपयोग किया गया।

इजराइली सेना के हमले फिर तेज, एक ही परिवार के 76 लोगों की गई जान

राफाह। इजराइली सेना के हमले बंद होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां गाजा में ताजा हवाई हमले में एक ही परिवार के 76 सदस्य मारे गए हैं। इस बात की जानकारी राहत एवं बचाव अभियान से जुड़े अधिकारियों ने शनिवार को दी। इससे एक दिन पहले, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने फिर चेतावनी दी है कि गाजा में अब कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है और इजराइल के लगातार हमले लोगों को मानवीय सहायता पहुंचाने में बड़ी बाधाएं पैदा कर रहे हैं। गाजा के नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता महमूद बासल ने कहा कि गाजा शहर में एक इमारत पर शुक्रवार का हमला इजराइल-हमास युद्ध के सबसे घातक हमलों में से एक था। यह युद्ध बीते 12 सप्ताह से जारी है। महमूद बासल ने इस हमले में मारे गए लोगों के नामों की एक आंशिक सूची प्रदान की जिसमें अल-मुगराबी परिवार के 16 घरों के मुखिया भी शामिल हैं। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के एक अनुभवी कर्मचारी इस्साम अल-मुगराबी, उनकी पत्नी और उनके पांच बच्चे शामिल हैं। बता दें कि चरमपंथी समूह हमास को खत्म करने के लिए गाजा में इजराइल की ओर से शुरू किए गए युद्ध में अब तक 20,000 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। गाजा के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल ने गाजा में हमले और तेज कर दिए हैं तथा लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया है। गाजा में होने वाली मौतें युद्ध से पहले की इस क्षेत्र की आबादी का लगभग एक प्रतिशत हैं। इजराइल का हवाई और जमीनी आक्रमण हाल के इतिहास में सबसे विनाशकारी सैन्य अभियानों में से एक रहा है, जिसके परिणामस्वरूप गाजा की 23 लाख की आबादी में से 85 प्रतिशत लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इधर इजराइल ने लड़ाई जारी रखने का संकलप लिया है।

महिला के दो गर्भाशय, दोनों में गर्भाधान, अलग-अलग समय पर दो बच्चों का जन्म

वाशिंगटन। वाशिंगटन के अलबामा की 32 साल की युवती कलसी के दो गर्भाशय हैं। 1 दिन के अंतराल से उसने दो जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। दोनों का जन्म अलग-अलग दिन हुआ है। चिकित्सा विज्ञान में कई दुर्लभ घटनाएं होती हैं। उसमें से यह एक दुर्लभ घटना है। कैलसी को जन्म से ही दो गर्भाशय थे। दोनों गर्भाशय में उसने गर्भ धारण किया। मंगलवार की शाम 7:49 पर पहली बेटी रॉक्सी लैला का जन्म हुआ। दूसरे दिन सुबह 6:09 पर दूसरी बेटी रेविका को जन्म देकर एक रिकॉर्ड बनाया है। केलसी चौथी बार मां बनी है। गुरुवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर उसने जानकारी देते हुए प्रसन्नता जाहिर की है।

चीन के सीक्रेट हथियार से दुनियाभर में खलबली

बीजिंग। चीन द्वारा बनाई जा रही एक नई मिसाइल ने पूरी दुनियां को टेंशन में डाल दिया है। कई देश इस मिसाइल को लेकर विरोध भी कर रहे हैं। खासतौर से चीन के पड़ोसी देश ताइवान, दक्षिण कोरिया ज्यादा खतरा महसूस कर रहे हैं। उधर चीन का कहना है कि इस नई मिसाइल को एयर डिफेंस सिस्टम भी नहीं रोक पाएगा। बीजिंग में बैठा लाल सेना का कमांडर और उसके शैतानी वॉर साइंटिस्ट एक ऐसी मिसाइल टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं जिसे रोक पाना नामुमकिन बताया जा रहा है। चीन की इस नई मिसाइल को न तो एयर डिफेंस सिस्टम डिटेक्ट कर पाएंगे और न ही इसके आसपास कोई मिसाइल पहुंच सकती है। चीन की गोल्डन वेल नाम की मिसाइल को लेकर चीन का दावा है कि उसकी ये मिसाइल जंग का चेहरा और स्वरूप पूरी तरह से बदलकर रख देगी। ऐसा इसलिए क्योंकि इस मिसाइल को दुनिया का कई एयर डिफेंस सिस्टम ट्रेस नहीं कर पाएगा और उसका ये आविष्कार मिसाइलों की दुनिया में एक नई क्रांति लेकर आएगा। चीन जिस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है उससे मिसाइल एक पैसेंजर प्लेन की तरह नजर आएगी। कुल मिलाकर चीन की इस घातक टेक्नोलॉजी से दुनिया के कई ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम फेल हो सकते हैं। उत्तर पश्चिमी चीन में एक रिसर्च टीम इस पर काम कर रही है। टेक्नोलॉजी की मदद से मिसाइल का साइज और आकार बदला जा सकेगा जिससे दुश्मन का डिफेंस सिस्टम कंफ्यूज हो जाएगा, उन्हें एक्शन लेने के लिए वक्त ही नहीं मिलेगा। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे चीनी वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तरह की टेक्नोलॉजी के सेना में शामिल होने से युद्ध के तरीके में बड़ा बदलाव आएगा। चीन इस मिसाइल का सबसे पहले इस्तेमाल कहां करने वाला है, ये इरादे भी जिनपिंग ने साफ कर दिए हैं।

वेस्ट बैंक में मलबे के बीच ही क्रिस्मस की तैयारियों के दौरान एक व्यक्ति मोमबत्ती जलाते हुए।

मारिजुआना उपयोग को मिली कानूनी मान्यता

- राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दर्द, तनाव और आघात से मुक्ति के लिए बताया जरुरी

कीव। युद्धग्रस्त यूक्रेन में दर्द भरे रोगों के इलाज के लिए मादक मारिजुआना के इस्तेमाल को लेकर नए कानून में अनुमति मिली है। मारिजुआना मैरुआना या गांजा जैसे पदार्थ के सेवन को लेकर यूक्रेन की संसद में हुए मतदान प्रक्रिया में 248 सदस्यों ने पक्ष में, 16 सदस्यों ने विरोध में 33 सदस्य अनुपस्थित रहकर जबकि 40 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा न लेकर अपना निर्णय बताया। इस अवसर पर राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया की सभी सर्वोत्तम प्रथाएं, सभी सबसे प्रभावी नीतियां, सभी समाधान, चाहे वह कितने भी कठिन या फिर असामान्य क्यों न लगें, लेकिन यूक्रेन में लागू होने चाहिए ताकि यूक्रेनवासियों को युद्ध का दर्द, तनाव और आघात न सहना पड़े। रूस के साथ तकरीबन 21 माह से युद्ध लड़ रहे यूक्रेन की संसद में लंबे समय से इस पदार्थ के उपयोग को लेकर बहस चल रही थी। युद्ध की वजह से मिले दर्द भरे रोगों के इलाज के लिए मारिजुआना के इस्तेमाल को लेकर संसद के अध्यक्ष रुस्लान स्टेफानचुक ने कहा कि मारिजुआना की दवाओं के इस्तेमाल की स्थितियों और तरीकों की सूची स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित की जाएगी। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने युद्ध संबंधी स्थितियों के इलाज के रूप में चिकित्सा मारिजुआना की पहुंच पर जोर दिया। उन्होंने जून 2023 में संसद को संबोधित करते हुए दवा को वैध बनाने का आह्वान किया।

हूती के खिलाफ अपने वॉरशिप भेजने से पीछे हट रहे हैं कई देश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। फ्रांस के बाद अब नीदरलैंड, नार्वे और डेनमार्क ने भी हूती के खिलाफ अपने वॉरशिप भेजने से मना कर दिया है। अमेरिका के नेतृत्व में 'ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्डियन' में साथ देने के लिए एक के बाद एक यूरोपीय देश मना कर रहे हैं। दरअसल, अमेरिका हूती के खिलाफ अलग-थलग पड़ रहा है। इजराइल का साथ देकर अमेरिका फिलहाल मिडिल ईस्ट में अकेले पड़ता जा रहा है। समंदर में हूती की धमकी और उसके हमले को लेकर तेजी से नरेटिव बदल रहा है।लाल सागर इस वक्त दुनिया का सबसे खतरनाक जलमार्ग बन चुका है। यहां से होकर गुजरने वाले मालवाहक विमान यमन के हूती मिलिटेंट संगठन के निशाने पर हैं। लाल सागर के चक्रव्यूह में अमेरिका घिर चुका है और यही से युद्ध की दिशा बदलकर विश्व युद्ध की तरफ मुड़ सकती है क्योंकि रूस और ईरान ने हूती के जरिए लाल सागर में महासंग्राम छेड़ दिया है। रूस और ईरान ने लाल सागर की जंग में गठबंधन कर लिया है। दूसरी तरफ जो बाइडेन का गठबंधन कमजोर पड़ रहा है। नाटो के कई सहयोगी लाल सागर टास्क फोर्स में शामिल नहीं होना चाहते।

अमेरिका ने लाल सागर में हूती के हमलों को इंटरसेप्ट करने के लिए 10 देशों की नेवल टास्क फोर्स

बनाई थी और ऑपरेशन शुरू किया था, लेकिन अमेरिका खुद इस ऑपरेशन से हिचक रहा है और साथी देश भी हूती के खिलाफ उतरने को तैयार नहीं हैं।

अमेरिकन मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस ने तटीय क्षेत्र में लड़ने के लिए 24 लिटोरल कॉम्बैट शिप तैयार किए हैं, लेकिन अमेरिका अपने जहाज लाल सागर में तैनात नहीं करना चाहता। अमेरिका के इस रुख के बाद कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने भी लाल सागर में अपने जहाज भेजने से इनकार कर दिया है। ईयू में स्पेन ने भी अमेरिका के ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्डियन का विरोध किया है।

मतलब साफ है कि अमेरिका के सहयोगी देश भी हूती के खिलाफ ऑपरेशन में अपने जहाज नहीं उतारना चाहते हैं। अमेरिका को डर है कि उसके जहाजों पर हमले हुए तो हूती से सीधा युद्ध शुरू हो जाएगा इसलिए अमेरिका भी ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्डियन में अपने जहाज नहीं भेज रहा है। अरब देशों से क्रूड ऑयल हूती नियंत्रण वाले जलमार्ग से गुजरकर अमेरिका पहुंचता है। अमेरिका के पास 40 साल में सबसे कम ऑयल रिजर्व है। अमेरिका का स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व घटता जा रहा है। स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व का मतलब सेना के लिए पेट्रोलियम रिजर्व होता है। फिलहाल अमेरिका के पास 35 करोड़ 20 लाख बैरल स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व है। अगर अमेरिका के सामने सेना के पेट्रोलियम की तंग शुरू हो गई तो उसके वर्ल्ड मिशन और सैन्य ऑपरेशन सुस्त पड़ जाएंगे। रूस और ईरान मिलकर यही प्लान बना रहे हैं और इसलिए लाल सागर में अमेरिका को घेर लिया गया है। बाइडेन जानते हैं कि हूती से जंग में उलझे तो भविष्य में बड़ा खतरा होगा और डरे हुए अमेरिका ने लाल सागर का मोर्चा ही छोड़ दिया है। हूती के बढ़ते हमलों पर अमेरिका ने कहा है कि इस साजिश में ईरान भी शामिल है। वाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता ने कहा है कि एड्रीनी वॉटसन ने कहा है कि ईरान हूती को हथियार, फंड, ट्रेनिंग और टैक्टिकल इंटेलिजेंस मुहैया करा रहा है, जिसके जरिए महत्वपूर्ण जलमार्ग पर हूती हमले कर रहा है।

इजरायल में हो रहीं अंधाधुंध हत्याओं को लेकर बाइडन ने नेतन्याहू से की बात

वॉशिंगटन (एजेंसी)। गाजा में लगातार हत्याएं हो रही हैं। यहां 24 घंटे के भीतर इजरायल ने दो सौ लोगों की हत्या कर दी। अब तक मौत का आकड़ा 20 हजार से अधिक हो गया है। बढ़ती हत्याएं और युद्ध न रुकने की स्थिति से चिंतित अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से फोन पर बात की है। हमास शासित गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि बीते 24 घंटे में इजरायल की बमबारी में 201 लोगों की मौत हुई है। इस तरह युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक मृतकों की संख्या 20,258 पहुंच गई है जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। दूसरी ओर, इजरायल ने भी शनिवार को अपने 5 सैनिकों के मारे जाने की जानकारी दी है। इजरायली मिलिट्री चीफ के प्रवक्ता का दावा है कि उनकी सेना उत्तरी गाजा पर काफी हद तक कब्जा जमा चुकी है और अब उनका ध्यान दक्षिणी गाजा की ओर है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक बार फिर से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत की है। जो बाइडेन ने खुद व्हाइट हाउस में संवाददाताओं को इसकी जानकारी दी। राष्ट्रपति ने बताया कि उन्होंने नेतन्याहू से लंबी बातचीत की। इसे उन्होंने एक तरह की निजी बातचीत करार दिया। सीजफायर से जुड़े सवाल के जवाब में बाइडेन ने कहा, मैंने युद्धविराम के लिए नहीं कहा। व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान में कहा गया, राष्ट्रपति ने मानवीय सहायता अभियान का समर्थन करने वालों सहित नागरिक आबादी की रक्षा करने पर जोर दिया। उन्होंने आम नागरिकों को लड़ाई वाले इलाकों से सुरक्षित जगह पर ले जाने की इजाजत देने की मांग उठाई।व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया कि बाइडन और नेतन्याहू ने इजरायली सैन्य अभियान के मकसद को लेकर चर्चा की। साथ ही सभी शेष बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। वहीं, नेतन्याहू की ऑफिस की ओर से कहा गया, हमारे प्रधानमंत्री ने यह साफ कर दिया कि जब तक युद्ध अपने मुकाम तक नहीं पहुंच जाता तब तक उनका मिलिट्री ऑपरेशन जारी रहेगा। बता दें कि इसी साल 7 अक्टूबर को हमास ने गाजा सीमा पार करके इजरायल पर अचानक हमला बोल दिया था। इस अटैक में करीब 1,140 लोग मारे गए थे।

ड्रोन हमले का शिकार इजराइली जहाज की मदद करेगा भारत का विक्रम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत हमेशा से ही अपने दूसरे देशों की मदद करने के लिए आगे आता रहा है। दुनिया में भारत का हाथ मदद के लिए सबसे पहले उठता है। एक बार फिर से मुसीबत में फंसे इजराइली व्यापारिक जहाज को बचाने के लिए भारत का 'विक्रम' निकल चुका है। भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम एक इजराइली व्यापारिक जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहा है। यह जहाज पोरबंदर से 217 समुद्री मील दूर अरब सागर में मौजूद है। कहा जा रहा है कि इसमें ड्रोन हमले के कारण आग लग गई है, हालांकि आग बुझा ली गई है, लेकिन आग लगने का प्रभाव अभी भी बाकी है। जहाज में कच्चा तेल है और यह सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर की ओर जा रहा था।

जहां तक विक्रम की ताकत का सवाल है तो पहले स्वदेशी रूप से विकसित अपतटीय गश्ती जहाज आईसीजीएस विक्रम को चेन्नई के एन्नोर के पास कट्टुपल्ली बंदरगाह पर भारतीय तट रक्षक में शामिल किया गया था। यह जहाज 98 मीटर श्रेणी के सात विक्रम श्रेणी के अपतटीय गश्ती जहाजों में से पहला है। विक्रम बिना ईंधन भरे कम से कम 5,000 समुद्री मील की यात्रा कर सकता है। आईसीजीएस विक्रम की लागत 190 करोड़ रुपये के करीब है और अब इसे कमांडर, तटरक्षक क्षेत्र (पश्चिम) के परिचालन और प्रशासनिक नियंत्रण के तहत मैंगलोर में तैनात किया गया है। फिलहाल जानकारी के हिसाब से आग तो बुझ गई है, लेकिन इसका असर कामकाज पर काफी पड़ा है। आईसीजीएस विक्रम को भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की गश्त पर तैनात किया गया था। अब उसे वेसल की ओर भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं, जिनमें करीब 20 भारतीय भी शामिल हैं। आईसीजीएस विक्रम ने क्षेत्र के सभी जहाजों को मदद करने के लिए कहा है।

मानव तस्करी के शक में उतरवाया था फ्लाइट

-300 भारतीयों से भरी फ्लाइट में जब मच गया हड़कंप, पूछताछ के बाद दो को लिया हिरासत में

पेरिस (एजेंसी)। मानव तस्करी के आरोप में 300 भारतीय यात्रियों से भरी फ्लाइट को फ्रांस में उतार लिया गया। उस वक्त फ्लाइट के यात्रियों में हड़कंप मच गया। अचानक इमरजेंसी लैंडिंग को लेकर मिली जानकारी के अनुसार यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात से निकारगुआ जा रही फ्लाइट को फ्रांस में अचानक रोक दिया है और विमान में मौजूद लोगों से पूछताछ की जा रही है। फ्रांसीसी मीडिया के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात से 303 भारतीय यात्रियों को लेकर निकारगुआ जा रहे एक विमान को मानव तस्करी के संदेह में फ्रांस में उतार लिया गया। खबर के अनुसार, राष्ट्र विरोधी-संगठित अपराध इकाई जेयूएनएएलसीओ ने जांच अपने हाथ में ले ली है। इस मामले में पेरिस अभियोजक कार्यालय ने कहा कि विशेष जांचकर्ता विमान में सवार सभी यात्रियों से पूछताछ कर रहे हैं। दो लोगों को आगे की जांच के लिए हिरासत में लिया गया है। वहीं रोमानियाई कंपनी 'लीजेंड एयरलाइंस' का ए340 विमान शुक्रवार को

'उतरने के बाद वैट्री हवाई अड्डे पर खड़ा रहा। बता दें कि पेरिस से 150 किलोमीटर पूर्व में स्थित वैट्री हवाई अड्डे से ज्यादातर वाणिज्यिक विमानों आते-जाते है।

एक अधिकारी ने बताया कि विमान में ईंधन भरा जाना था और उसमें सवार 303 भारतीय नागरिक संभवतः संयुक्त अरब अमीरात में काम करते हैं। फ्रांस पहुंचने के बाद यात्रियों को पहले विमान में रखा गया, लेकिन फिर बाहर निकालकर टर्मिनल भवन भेज दिया गया। इस दौरान पूरे हवाईअड्डे को पुलिस ने घेर लिया है। अभियोजक कार्यालय ने कहा कि सूचना मिली थी कि विमान में सवार लोग मानव तस्करी के शिकार हो सकते हैं। अंततः यात्रियों को हवाई अड्डे के मुख्य हॉल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां 21 दिसंबर को उनके रात भर ठहरने के लिए बिस्तर की व्यवस्था की गई है।

एक विशेष फ्रांसीसी संगठित अपराध इकाई के जांचकर्ता मामले की जांच कर हैं। फिलहाल, 'लीजेंड एयरलाइंस' ने अभी तक इस घटना पर कोई बयान नहीं दिया है। एक गुमनाम सूचना के आधार पर फ्रांस की जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई की है। इस मामले में फ्रांस में भारत के दूतावास ने सूचना दी कि फ्रांस सरकार के अधिकारियों ने दुबई से निकारगुआ जा रही एक फ्लाइट को तकनीकी रुकावट की वजह से फ्रांस के एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया है। इस विमान में 303 लोग सवार हैं, जिनमें से अधिकतर भारतीय मूल के हैं। एयरपोर्ट पर दूतावास की टीम पहुंच गई है और काउंसलर एक्सेस प्राप्त करके स्थिति की जांच की जा रही है।

अमेरिकी सांसदों ने कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर में तोड़-फोड़ की कड़ी निंदा की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में तीन प्रमुख भारतीय अमेरिकी सांसदों सहित कई नेताओं ने कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़-फोड़ किए जाने की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। कैलिफोर्निया के नेवार्क में स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर को भारत विरोधी भित्तिचित्रों से विरूपित किया किया और उसमें तोड़-फोड़ की गई। पुलिस इस मामले को नफरती अपराध मानकर जांच कर रही है। सांसद रो खन्ना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह कैलिफोर्निया के नेवार्क में स्थित स्वामीनारायण मंदिर में तोड़-फोड़ की घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। स्वामीनारायण मंदिर खन्ना के निर्वाचन क्षेत्र में आता है। खन्ना ने कहा, ''धार्मिक स्वतंत्रता अमेरिकी लोकतंत्र का मूल है, जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।''

खन्ना ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि समुदाय के लोग इस नफरत के खिलाफ एक साथ आ रहे हैं और भित्तिचित्रों को हटा रहे हैं। उन्होंने कहा, समुदाय की यह पहल बुराई का जवाब अच्छाई से दे रही है। सांसद राजा कृष्णामूर्ति ने स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित किए जाने की घटना को निंदनीय करार दिया और कहा कि वह इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि समुदाय के लोग मंदिर के समर्थन में रैली निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमें कट्टरता के सभी रूपों के खिलाफ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए। जिन्होंने तोड़-फोड़ की है उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।'' सांसद श्री थानेदार ने भी तोड़-फोड़ के इस शर्मनाक कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की है। कैलिफोर्निया से सांसद बारबरा ली, ओहियो से सांसद नीरज अंतानी ने भी इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम कैलिफोर्निया में श्री स्वामीनारायण मंदिर को नुकसान पहुंचाने की घटना की निंदा करते हैं। हम नेवार्क पुलिस विभाग के प्रयासों का स्वागत करते हैं ताकि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके।'' कैलिफोर्निया के नेवार्क में पुलिस विभाग ने 'पीटीआई-भाषा' को एक ई-मेल बयान में कहा कि शुक्रवार सुबह लगभग 8:35 बजे, पुलिस को श्री स्वामीनारायण मंदिर में दीवारों पर नारे लिखने की सूचना मिली। बयान में कहा गया कि अधिकारी हरकत में आए और मंदिर के प्रबंधन सदस्यों से मुलाकात की जिन्होंने इसे डराने वाला कृत्य बताया। बयान में कहा गया, ''दीवारों पर लिखे नारों की सामग्री के आधार पर यह माना जाता है कि विरूपण करना मकसद था और मामले की संभावित घृणा अपराध के रूप में जांच की जा रही है।''

सैन फ्रांसिस्को में भारत के वाणिज्य दूतावास ने मंदिर को विरूपित करने की कड़ी निंदा की। वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हम कैलिफोर्निया के नेवार्क में एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखकर विरूपित करने की कड़ी निंदा करते हैं।'' वाणिज्य दूतावास ने लिखा, ''इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। हमने इस मामले में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा त्वरित जांच और नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए दबाव डाला है।'' सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों के अनुसार खालिस्तान शब्द के साथ अन्य आपत्तिजनक नारे मंदिर के बाहर एक 'साइनपोस्ट' पर स्प्रे-पेंट किये गये थे।

संपादकीय

फिर वायरस की दस्तक

अभी कुछ समय तक हम सुनते आ रहे थे कि चीन, मलेशिया, सिंगापुर व इंडोनेशिया आदि देशों में कोरोना के नये वायरस का संक्रमण पाया गया है। लेकिन अब जब इस वायरस ने देश के कुछ राज्यों में दस्तक दे दी है तो देशवासियों का चिंतित होना स्वाभाविक है। यह दुखद संयोग ही है कि एक बार फिर केरल में नये कोरोना वायरस जेएन.1 के सौ से अधिक मामले प्रकाश में आए हैं। कुछ मौतों की भी बात कही जा रही है। वहीं केरल सरकार का कहना है कि वहां चिकित्सा तंत्र सक्रिय व जवाबदेह है और सावधानी से जांच-पड़ताल में संक्रमण के मामले उजागर हुए हैं। एक जीनोम सीक्वेंसिंग से नये वायरस की पहचान हो सकी है। निस्संदेह, ऐसी सक्रियता व सजगता देश के हर राज्य में जरूरी है। दरअसल, पिछली कोरोना लहर में देश व विदेश में जहां संक्रमण की जांच में सतर्कता व तेजी बरती गई, वहां कोरोना के ज्यादा मामले प्रकाश में आए। जाहिर बात है जहां जांच के प्रति गंभीरता नहीं होती, वहां कोरोना संक्रमण के मामले भी कम दर्ज होते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि कोराना के विषाणु को सदा के लिये समाप्त नहीं किया जा सकता। उर्वरा परिस्थितियों में वह अपना रूप बदलकर सामने आ जाता है। ऐसे में यदि हम साफ-सफाई के साथ सावधानी से कोविड प्रोटोकॉल का पालन करेंगे तो संक्रमण से सुरक्षित रह सकेंगे। विडंबना यह है कि लोगों ने मान लिया कि कोरोना वायरस सदा-सदा के लिये देश से चला गया। उसके बाद तमाम लापरवाही हम बरतने लगे हैं। दरअसल, 2019 में जब कोरोना वायरस पहली-पहली बार फैला था तो यही सर्दियों का मौसम था। आमतौर पर लोग वैसे भी इस मौसम परिवर्तन के दौरान सर्दी-जुकाम से पीड़ित होते हैं। लेकिन यदि हम खानपान से लेकर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं तो अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। जो हमें वायरस से मुकाबले की ताकत देगी। बहरहाल, हमें यहां ध्यान रखना चाहिए कि दो बड़ी कोरोना लहरों के दौरान देश ने बड़ी कीमत चुकाई। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनों को खोया। लॉकडाउन के कारण रोजगार ठप हुए और लाखों लोगों को अपने रोजगार से हाथ धोना पड़ा। विश्वास है कि हमें उस दु:स्वप्न को दोबारा नहीं देखना पड़ेगा। अच्छी बात है कि नये संक्रमण की दस्तक के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सक्रियता दिखायी है। केंद्र ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को परामर्श जारी करके कोविड प्रोटोकॉल को गंभीरता से लेते हुए जरूरी कदम उठाने को कहा है। विडंबना है कि कई राज्यों में ऑक्सीजन प्लांट्स देखरेख के अभाव में ठप पड़े देखे गये। विडंबना है कि हमारे तंत्र की लापरवाही के चलते आग लगने पर कुंआ खोदने की आदत अभी तक गई नहीं है। बहरहाल, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस वायरस की घातकता को लेकर निश्चिंत हैं कि यह ज्यादा हानिकारक नहीं है, लेकिन इसके बावजूद सतर्क व सावधान रहने की तो जरूरत है ही। वहीं दूसरी ओर देश की बड़ी आबादी को टीकाकरण के चलते सुरक्षा कवच मिला हुआ है। अब देखना यह है कि यह टीकाकरण नये वायरस के मामले में कितना कारगर होता है। यह भी कि क्या अभी तक टीकाकरण से मिली इम्युनिटी बरकरार है। बहरहाल, हमारी स्वास्थ्य सेवाओं के नियामकों को अतीत में हुए नुकसान से सबक लेते हुए आवश्यक कदम उठाने की जरूरत है। आम लोगों को ज्यादा भीड़-भाड़ वाले इलाकों से परहेज करने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है।

आज का राशीफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

उपभोक्ताओं के पक्ष में न्यायिक संशोधन

(लेखक- दिनकर सबनीश)

(राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 24 दिसंबर)

सामाजिक विकास के साथ वस्तुओं की विपुलता बड़ी हैसंसाधनों और सामानों का बड़ा बाजार निर्मित हो गया है। इसी के साथ उपभोक्तावादी संस्कृति का निर्माण हुआ बाजार से सामान खरीदने के स्कैन में कहा कई बार ढाका जाने लगा बाजार की विषमता उपभोक्ताओं की नासमझ से वे क्षण का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को जागृत करने की आवश्यकता महसूस की गई। इसीलिए उपभोक्ताओं के हित में कानूनी प्रशासनिक और आर्थिक नीतिगत निर्णय लिए गए। इन दोनों ने उपभोक्ताओं को सहायता और सुरक्षा प्रदान की व्यापारियों की लालसा से उपभोक्ताओं को बचाने के लिए भारत सरकार ने 24 दिसंबर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया। इस दिन के उपलक्ष में 24 दिसंबर को देशभर में राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। उपभोक्ता बाजार में कई तरह से असुरक्षित है और समस्याओं का सामना करते हैं। इनमें दोषपूर्ण सामान सेवा में में कमी खाद्य पदार्थों में मिलावट नकली सामान जमाखोरी नापतोल में धोखादेर से वितरण पैकेट की सामग्री में अंतर बिक्री के बाद खराब सेवा भ्रामक विज्ञापन मूल घटक मूल में भेदभाव एटीएम व क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी वित्तीय धोखाधड़ी अचल संपत्ति तथा एन उपभोक्ताओं से संबंधित समस्या नकली समीक्षा निजी जानकारी की है कि और डिजिटल धोकर दाढ़ी शामिल हैराष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस का इतिहास भारत सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को व्यापार उद्योग के शोषण से मुक्ति के लिए 24 दिसंबर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम विधेयक पारित किया गया। इसी दिन को भारत सरकार ने राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस नेशनल कंज्यूमर डे घोषित किया। इसके बाद इस नियम में 1991 तथा 1993 में संशोधन किए गए। वर्ष 2002 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम को और भी असरदार बनाने के लिए व्यापक संतुलन लाया गया है। इस मार्च 2004 को नोटिफाई किया गया थाडिजिटल प्रौद्योगिकी के बाद ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग का विस्तार हुआ है। इसी के साथ बाजार में उपभोक्ताओं और उत्पादक उत्पादकों की प्रकृतिभी परिवर्तित हुई। ऐसे में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 बद्दी परिस्थितियों के प्रभावी नहीं रहा अत: वर्तमान परिपेक्ष में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया। इसमें ई-कॉमर्स कंपनियों की पारदर्शिता ऑनलाइन खरीदी में सरलता टेली शॉपिंग उत्पाद की वापसी असुरक्षित अनुबंध और व्यापक विज्ञापनों जैसे समस्याओं का निदान किया गया है। इसके बाद उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग की स्थापना की गई। उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग जिला राज तथा राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किए गए इसमें कोई भी उपभोक्ता अनुच्छेदया प्रतिबंधित व्यापार दोषपूर्ण सामान सेवा में कमी अधिक मूल वसूलना तथा धोखाधड़ी और इस सुरक्षा के लिए खतरनाक सामान्य सेवाओं से संबंधित शिकायत कर सकते हैं। उपभोक्ता की परिभाषा को ऑफलाइन ऑनलाइन दोनों उपभोक्ताओं को शामिल करने के लिए विस्तृत किया गया है। उपभोक्ता कोई भी सामान खरीदना और किराए पर लेटा है या किसी भी सेवा का लाभ उठाता है मैं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमोंया टेली शॉपिंग या डायरेक्ट सेलिंग पर मल्टी लेवल मार्केटिंग के माध्यम से ऑफलाइन या ऑनलाइन लेनदेन शामिल है। उपभोक्ताओं के बुनियादी अधिकार राइट टू सेफ्टीउपभोक्ताओं को बाजार में उपलब्ध सेवाओं के गुणवत्तापूर्ण टिकाउ रूप में हासिल करने का अधिकार है। वह गुणवत्ता इंडियन स्टैंडर्ड इंस्टीट्यूशन इसी औद्योगिक व इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के लिए एगमार्क किसी उत्पादकों के लिए सो मार्क पोस्ट प्रोसेस्ड फूड आइटम के चिन्हों में व्यक्त किए जाते हैं।

राइट टू इन्फॉर्म

उपभोक्ताओं और ग्राहक जिसके लिए भी पैसे खर्च कर रहे हैं। उसे वास्तु के संबंध में आवश्यक जानकारियां प्राप्त करने का अधिकार चयन का अधिकारबाजार में एक वस्तु या सेवा प्रदान करने के लिए कई कंपनियां होती है उनके कई विकल्प भी होते अत: उपभोक्ता कोवह अधिकार है कि वह अपने लिए बेहतर विकल्प को छूने सनी का अधिकार उपभोक्ता को उनके साथ होने वाली धोखाधड़ी की स्थिति में अपील करने का अधिकार है ठगीकी स्थिति में उपभोक्ता कानूनी कार्रवाई के लिए अपील कर सकता है। उपभोक्ताओं की अपील और सनी के लिएप्रदेश से लेकर जिला स्तर तक उपभोक्ता फोरम बनाए गए हैं मुआवजा देने का अधिकार

यदि किसी उपभोक्ता को प्राप्त वस्तु अथवासेवा गुणवत्तापूर्ण नहीं हो तो ऐसी स्थिति में उन्हें मुआवजा लेने का अधिकार है जागरूकता का अधिकार उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों को लेकर जागरूक होने का अधिकार है यदि आवश्यक है हो तो उपभोक्ता कोअधिकारों को जानने के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा सकता है केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरणसीपीए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना और बहुत तक संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देना उनकी रक्षा करने और उन्हें लागू करने अनुच्छेद व्यापार से उपभोक्ता को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए जांच करने और उत्पाद तथा पैसे की वापसी के लिए कार्रवाई शुरू करने के लिए की गई हैकेंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के कार्य अनुच्छेद व्यापार की शिकायतें सुरक्षा दिशा निर्देश करना उत्पाद की वापसी और सेवाओं को बंद करने का आदेश देना अन्य न्याय कोशिकायत भेजने जुर्माना लगाने जैसी दंडात्मक कार्रवाई का अधिकार उपभोक्ता आयोग के समक्ष करवाई दर्ज की जा सकती है उपभोक्ता अधिकारी या अनुच्छेद व्यापार के मामले में कार्रवाई में हस्तक्षेप करना उपभोक्ताओं के बीच संज्ञान और गुणवत्ता जागरूकता बढ़ाने के लिए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने केंद्र सरकार द्वारा जारी को का उल्लंघन करने वाले और नकली सामान की विकृति लोगों के लिए देश व्यापी अभियान शुरू किया है।

इसीलिए मनाया जाता है राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है। जब तक उपभोक्ता को अपने अधिकारों की जानकारी नहीं होगी। तब तक वह व्यक्ति द्वारा चला जाएगा। सामान्य हर वस्तु सामान और सेवा के लिए कीमत और धन्य निश्चित है, लेकिन कई बार विक्रेता मनमानी कीमत बदलते हैं। यह कीमत अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग दी जा सकती है। इससे कीमतों की समानता में बाधा उत्पन्न होती है। वह असमानता उपभोक्ता के अधिकारों का हनन है उपभोक्ता संरक्षण दिवस में दी जाने वाली जानकारी आदि के द्वारा उपभोक्ता को सचेत किया जाता है और उन्हें जानकारी प्रदान की जाती है। इस दिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत मूल्य निर्धन में भिन्नता और दोषपूर्ण उत्पादों की बिक्री से बचाव के उपाय की जानकारी उपभोक्ताओं को पहुंचाई जाती है। इस दिवस के आयोजन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के लिएकिए जा रहे प्रयासों को उन तक पहुंचाया जाता है। उपभोक्ताओं को विक्रेता द्वारा ठगे जाने की सभी संभावना के उपाय के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम महत्वपूर्ण है।

(राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत)

शिक्षा जगत के महानायक थे स्वाधीनता सेनानी मदन मोहन मालवीय

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

(25 दिसम्बर मालवीय जयंती पर)

शिक्षा जगत के महानायक पंडित. मदन मोहन मालवीय का जन्म 25 दिसम्बर 1861 ई. को सूर्य कुण्ड या लालडिंग के कूंचा सावल-दास मोहल्ले में बृजनाथ के घर संध्या को 6 बजकर 54 मिनट पर प्रयाग में हुआ। इनकी माता भूना देवी थी। बी.जे. अकद के कथानुसार - यह भारत माता के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जब 25 दिसम्बर 1861 को इलाहाबाद में पं. बृजनाथ के घर एक नन्हें से बच्चे ने जन्म लिया था। कौन जानता था कि वह छोटा-सा निर्बल बालक एक दिन देश की स्वतन्त्रता और आत्मनिर्भरता के लिए सिंह गर्जना करेगा। बचपन से ही इनके माता-पिता को ऐसा प्रतीत होता था कि भविष्य में यह बालक बहुत ही होनहार होगा। एक कहावत भी चरितार्थ है कि होनहार बिखान के होत चिकने पात मालवीय जी ने इस कहावत को अपने जीवन में चरितार्थ किया था। पाँच वर्ष की आयु से ही उनकी शिक्षा आरम्भ हुई थी। उस समय प्रयाग में अहिपापुर मौहल्ले में कोई पाठशाला न थी। लाला मनोहर दास रईस की कोठी के चबूतरे पर, जो तीन सवा तीन फीट चैड़ा और दस पन्द्रह फीट लम्बा था, उसी पर टाट बिछा कर एक गुरु जी लड़कों को पढ़ाया करते थे। उन्हें वहां से हरदेव जी की पाठशाला जिसका नाम धर्मोपदेश पाठशाला था। जहाँ से स्थायी रूप से मदन मोहन मालवीय जी ने अपना विद्याध्ययन शुरू किया था। मदन मोहन मालवीय जी ने संस्कृत काव्य, गीता एवं अन्य धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन किया था। इनमें से मालवीय जी को संस्कृत काव्य ने अधिक प्रभावित किया था। पंडित मदन मोहन मालवीय का एक सामाजिक-राजनीतिक सुधारक के रूप में ऐसे समय उदय हुआ जब पूरा देश विकट परिस्थितियों में गुजर रहा था। युगपुरुष महामना मदनमोहन मालवीय का जीवन अत्यंत उतार-चढ़ाव भरा रहा। गरीबी झेलते हुए उन्होंने न सिर्फ ज्ञानार्जन किया, बल्कि स्वयं को शिखर पर पहुंचाया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कवि, शिक्षक, पत्रकार, वकील के रूप में ऐसी अमिट छाप छोड़ी, कि हर कोई आज भी उससे प्रेरणा ले रहा है। 15वीं सदी में वे उत्तर प्रदेश चले आए। मालवा का होने के कारण वे लोग मल्लई कहलाते थे, जो बाद में मालवीय हो गया। मालवीय जी की आरंभिक शिक्षा इलाहाबाद में पूरी हुई। उन्होंने मकरंद के नाम से 15 वर्ष की आयु में कविता लिखना आरंभ कर दिया था और सोलह सतरह वर्ष की आयु में उन्होंने एंट्रेंस की परीक्षा पास की। ऐंट्रस पास करने के बाद मालवीय जी म्योर सेंट्रल कालेज में पढ़ने लगे। परिवार के लिए कालेज की पढ़ाई का आर्थिक बोझ वहन करना कठिन था, पर माता ने कठिनाई सहकर, अपने जेवर गिरवी रखकर अपने बच्चे को पढ़ाने का निश्चय किया। प्रिंसीपल हैरिसन ने उन्हें एक मासिक वजीफा दिया। फिर भी मदनमोहन मालवीय को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। चाहे मालवीय जी के शिक्षा क्षेत्र में कितनी भी कठिनाई क्यों न आई हो, उन्होंने बैरिस्टर तक की शिक्षा ग्रहण की। विनोद- कालेज में एक बार आर्यनाटक मण्डली की ओर से शकुंतला नाटक का अभिनय हुआ, इसमें मदन मोहन मालवीय को शकुन्तला का पार्ट दिया गया। परदा उठने पर प्रियम्वदा और अनुसूया सखियों के साथ शकुन्तला हाथ में घड़ा लिए रंगमंच पर आयी, तब दर्शक दंग रह गये। उनका का विवाह 16 वर्ष की आयु में उनके चाचा पंडित गजाधर प्रसाद जी के माध्यम से मिर्जापुर के पंडित नन्दलाल जी की कन्या कुनन देवी से हुआ। वे माता-पिता के दुलार में पली थी। लड़कपन में उन्हें किसी प्रकार के कष्ट का अनुभव नहीं था। ससुराल की आर्थिक दशा ने उन्हें बड़े धैर्य और साहस से निर्धनता के कष्ट सहन करने को बाध्य किया। उन्हें आधा पेट खा कर संतोष करना पड़ता था। फटी धोतियों सी कर पहननी पड़ती थी। वर्ष 1868 में उन्होंने प्रयाग सरकारी हाई स्कूल से मैट्रिक परीक्षा पास की। इसके उपरान्त उन्होंने मायर सेंट्रल कालेज में प्रवेश लिया। कालेज में पढ़ाई करते हुए वर्ष 1880 में उन्होंने अपने गुरु पं॰ आदित्यराम भट्टाचार्य के नेतृत्व में हिंदू समाज नामक सामाजिक सेवा संघ स्थापित किया। वे स्कूल के साथ-साथ कालेज में भी कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते रहे। उन्होंने लिखा है, मैं एक गरीब ब्राह्मण कुल में पैदा हुआ। इसलिए पढ़ाई का खर्च पूरा करने के लिए एक सेठ के छोटे बच्चे को पढ़ाने जाता था। धार्मिक भावों के प्रति मेरा रुझान बचपन से था। स्कूल जाने के पहले मैं रोज हनुमान जी के दर्शन करने जाता था। वे भारतीय विद्यार्थी के मार्ग में आने वाली भावी मुसीबतों को जानते थे। उनका कहना था, छात्रों की सबसे बड़ी कठिनता यह है कि शिक्षा का माध्यम हमारी मातृभाषा न होकर एक विदेशी भाषा है। सभ्य संसार के किसी भी अन्य भूभाग में उन समुदाय की शिक्षा का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है। भारतीय स्वातंत्रय आन्दोलन के इतिहास में महामना का व्यक्तित्व स्वत: साक्ष्य रूप में प्रत्येक आन्दोलन से संबंधित रहा है चाहे राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रश्न रहा हो अथवा अछूतोद्धार या दलित वर्ग की समस्या रही हो या हिन्दू-मुस्लिम एकता की। चाहे औद्योगिक, आर्थिक अथवा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विषय रहा हो या राष्ट्रीय शिक्षा के उन्नयन का अथवा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का। इन सभी क्षेत्रों में महामना एक सच्चे सिपाही की भाँति अग्रणी रहे हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय महापुरुष और श्रेष्ठ आत्मा थे। उन्होंने समर्पित जीवन व्यतीत किया तथा धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आदि बहुत से क्षेत्रों में अपने लोगों की उत्कृष्ट सेवाएं की। धमकियों से निडर और प्रलोभनों से अनाकृर्षित उन्होंने अन्याय और क्रूरताओं से संघर्ष किया तथा साहस और दृढ़तापूर्वक अपने उद्देश्य की नैतिकता पर दृढ़विश्वास के साथ अपने देशवासियों के सामूहिक हित और उत्कर्ष के लिए 50 वर्ष से अधिक काम किया नि:संदेह उनका व्यक्तित्व उनकी महान् उपलब्धियों से कहीं अधिक प्रतिष्ठित था। मदनमोहन मालवीय का पूरा जीवन भले ही गरीबी में बीता हो लेकिन उसने कभी भी अपने मन में हीन भावना नहीं आने दी और सदा राजा कर्ण जैसी दानवीर की सोच रखी। अपने आप में यह बहुत बड़ी बात है कि अगर किसी के पास धन हो तो वह दान कर सकता है। उसमें कोई बड़ी बात नहीं लेकिन जो आदमी अपने परिवार को तीनों समय का भोजन भी पूर्णरूपेण न दे सके और वह आदमी फिर भी दानवीर की सोच रखता हो, यह सबसे बड़ी बात है। मालवीय जी ने चाहे विद्या का दान हो, चाहे किसी गरीब आदमी की मदद की बात हो, समाज उत्थान की बात हो, समाज की कुरीतियों की बात हो, किसी भी क्षेत्र में वे पीछे नहीं हटे। महात्मा गाँधी का महामना के लिए बहुत आदर था और मदनमोहन का हृदय से सम्मान करते थे वह उनकी कोई बात नहीं टालते थे। उन्होंने ही मदनमोहन मालवीय को महामना की उपाधि दी।। उन्होंने महामना के लिए लिखा- जब मैं अपने देश में कर्म करने के लिए आया तो पहले लोकमान्य तिलक के पास गया। वे मुझे हिमालय से ऊँचे लगे। मैंने सोचा हिमालय पर चढ़ना मेरे लिए संभव नहीं और मैं लौट आया। फिर मैं गोखले के पास गया। वे मुझे सागर के समान गंभीर लगे। मैंने देखा कि मेरे लिए इतने गहराई में बैठना संभव नहीं और मैं लौट आया। अंत में मैं महामना मालवीय के पास गया।

विचार मंथन

बजरंग पूनिया का पद्मश्री अवार्ड लौटना, सरकार के लिये चिंता का विषय

(लेखक- सनत जैन/)

एशियाई खेलों में कुश्ती का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवान बजरंग पूनिया द्वारा पद्मश्री पुरस्कार लौटने की घटना चिंता जनक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लेकर पद्म पुरस्कार लौटने की घोषणा की प्रधानमंत्री आवास पहुंच गए, वहां पर किसी ने उनसे पद्मश्री अवार्ड नहीं लिया। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। जिससे नाराज होकर उन्होंने अपना पद्म पुरस्कार फुटपाथ पर रखकर वहां से वापस लौट आए। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला खिलाड़ियों ने यौन शोषण के आरोप में कई दिनों तक जंतर मंतर में अपना धरना प्रदर्शन दिया था। पास्को एक्ट जैसे मामले में भाजपा की सरकार ने सांसद बृजभूषण शरण सिंह का बचाव अप्रत्यक्ष रूप से करने की पूरी कोशिश की। जब मामला बुरी तरह तूल पकड़ा, तब खेल मंत्रालय सक्रिय हुआ। बातचीत की, आश्वासन दिए, कानूनी कार्रवाई की बात की गई। खिलाड़ी राजनेता नहीं थे। वह सरकार की बातों को सच मानकर विश्वास करके धरना प्रदर्शन से उठ गए। उसके बाद से शुरू हुआ बृजभूषण शरण सिंह का खेल जिसमें खिलाड़ियों को धमका कर उन्हें डराया गया। दिल्ली पुलिस और सरकार की कृपा से न्यायालय से बृजभूषण सिंह को उसी दिन जमानत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने कुश्ती संघ के चुनाव कराने के आदेश दिए। उसमें सरकार और बृजभूषण शरण सिंह ने मिलकर ऐसी-ऐसी चाले चली, जिसमें खिलाड़ी इस खेल में परास्त हो गए। कुश्ती महासंघ के चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह के करीबी संजय सिंह की जीत के बाद, जिस तरह से भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की जीत का जश्न मनाया गया। उसके बाद खिलाड़ियों के लिए यह सहेपाना बड़ा मुश्किल था। वह भी ऐसी स्थिति में जब खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को आश्वासन दिया हो, की निष्पक्ष चुनाव होंगे, और बृजभूषण शरण सिंह एंड कंपनी का कोई भी चहेता कुश्ती संघ में नहीं आ पाएगा। खेल मंत्री का यह आश्वासन भी कोई काम नहीं आया। इसके बाद पराजित खिलाड़ियों के पास आत्मसमर्पण के अलावा और कोई विकल्प ही नहीं रह गया था। पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहलवान बजरंग पूनिया ने अपना पद्मश्री लौटा कर अपनी अपनी विशिष्टता को खोते हुए, आम नागरिक की तरह अब लड़ाई लड़ने का मन बनाया है। यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। पहली लड़ाई भरोसे की लड़ाई थी। भरोसा तोड़ा गया बृजभूषणन ने यह लड़ाई जीत ली है। लेकिन अब यह खिलाड़ी अपने ही भरोसे पर अपने ही दमखम पर अब लड़ाई को आगे लड़ने जा रहे हैं। बजरंग पूनिया ने आशंका दर्ज कराई है, कि भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह इतने ताकतवर हैं, कि वह आगे चलकर खिलाड़ियों की जान और माल के ऊपर भी हमला कर सकते हैं। उनकी और खिलाड़ियों की जान सुरक्षित नहीं है। साक्षी मलिक ने भी जिस तरह प्रेस कांफ्रेंस के दौरान आत्मसमर्पण करते हुए खेलों से टाटा और बाय-बाय कर लिया है। इससे सरकार की निश्चित रूप से देशभर में बड़ी किरकिरी हो रही है। सरकार की छवि युवाओं और खिलाड़ियों के बीच में धूमिल हुई है। विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों के कारण महिलाओं का जो भरोसा मोदी सरकार पर था। वह कहीं ना कहीं कमजोर तो होगा। जाट समुदाय का जो मामला अभी मिमिक्री के रूप में जगदीप धनखड़ से शुरू हुआ था। वह अब जाट महिला खिलाड़ियों से जुड़ गया है। इसकी परणिति आने वाले समय में भाजपा और नरेन्द्र मोदी की छबि धूमिल करेगी। पता नहीं, बृजभूषण शरण सिंह क्या इतना पावरफुल हो गया है, कि मोदी सरकार आसन्न लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भी उसका बचाव कर रही है। इसका असर चुनाव परिणाम में पड़ना तय माना जा रहा है। विशेष रूप से हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बहरहाल जिस तरह से खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है, वह उनकी बेबसी का सबूत है। समरथ को नहीं दोस्त गुसाई की तर्ज पर बृजभूषण शरण सिंह ने अपनी ताकत प्रदर्शित करते हुए, महिला खिलाड़ियों की उनकी औकात बता दी है। आने वाले समय में इसका असर खेलों पर भी पड़ना तय माना जा रहा है। मां-बाप अब अपनी लड़कियों को खेल के लिए प्रोत्साहित करने से बचेंगे। कुश्ती महासंघ में पहले बृजभूषण शरण सिंह का कब्जा था। अब उनके सबसे करीबी संजय सिंह कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बन गए हैं। कुश्ती महासंघ में कोई भी महिला चुनाव जीतकर नहीं आई है।

क्रिसमस एक त्यौहार शांति दूत के नाम

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है. यह त्यौहार हमारे सामाजिक परिवेश का प्रतिबिंब भी है, जो विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारे को मजबूती देता आया है. क्रिसमस का अर्थ मानव मुक्ति और समानता है. बाइबिल के अनुसार, ईश्वर ने अपने भक्त याशायाह के माध्यम से 800 ईसा पूर्व ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि इस दुनिया में एक राजकुमार जन्म लेगा और उसका नाम इमेनुएल रखा जाएगा. इमेनुएल का अर्थ है 'ईश्वर हमारे साथ'. याशायाह की भविष्यवाणी सच साबित हुई और यीशु मसीह का जन्म इसी प्रकार हुआ.

स्वर्गदूतों ने दिया था यीशु जन्म का संदेश

ऐसी मान्यता है कि यीशु के जन्म के अवसर पर स्वर्गदूतों ने सर्वोच्च गगन में परमेश्वर को महिमा और पृथ्वी पर उसके कृपापात्रों को शांति यह संदेश कुछ चरवाहों को दिया था। गत हजारों वर्ष से ख्रीस्त जयंती की मंगलमय बेला में करोड़ों कंठों से इस संदेश की प्रतिध्वनि गूंजती आ रही है। इस संदेश की सुंदरता इसमें है कि यीशु के जन्म के साथ उदित होने वाली नई विश्वव्यवस्था की झलक इसमें निहित है। पृथ्वी पर मानवों के शांतिपूर्ण जीवन में ईश्वर की स्वर्गीय महिमा प्रतिबिंबित है। मनुष्य में ईश्वर महिमान्वित होता है। यीशु ईश्वर और मनुष्य के बीच की सजीव कड़ी है। सच्ची शांति अच्छे मन का अनुभव है। ऐसी शांति तभी संभव है जबकि हृदय भय और मृत्यु से, दर्द और पीड़ा से मुक्त हो। लेकिन हम एक भ्रष्ट और दमनकारी संसार में जीते हैं जहां भय राज करता है और शांति की जड़ कमजोर है। यह अस्वाभाविक भी नहीं है क्योंकि यहां सच्चे दिलवालों की संख्या निराशाजनक रूप से कम है। जहां धन और बल मनुष्य के भविष्य में नियंता हों, जहां ईमानदारी और नैतिकता को कमजोरी के लक्षण माना जाता हो, वहां शांति और सच्चाई का बना रहना असंभव है। आज संसार में जो शांति दिखाई पड़ती है, वह हृदय की सच्चाई से नहीं बल्कि हथियारों के समझौते से निकली है। शायद यीशु की विश्वव्यस्था की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हर मानव किसी भी जाति-वर्ग-वर्ण भेद के बिना ईश्वर की संतान बन सकता है। ईश्वर का जो रूप यीशु ने लोगों को बताया वह वास्तव में मन को छूने वाला है। ईश्वर इतना उदार है कि वह भले और बुरे, दोनों पर अपना सूर्य उगाता तथा धर्मी और अधर्मी दोनों पर पानी बरसाता है। ईश्वर सबको प्यार करता है, सबका ख्याल रखता है और पश्चातापी पापी को क्षमा करता है। मनुष्य को विधाता पर भरोसा रखना चाहिए। इस परम पिता की योग्य संतान बनने के लिए मनुष्य को दूसरों को प्रेम करना, दूसरों की सेवा करना तथा उनकी गलतियों को क्षमा करना है। इस नई व्यवस्था की मूल आज्ञा बिना शर्त प्रेम है और इसका स्वर्णिम नियम है- दूसरों से अपने प्रति जैसा व्यवहार चाहते हो, तुम भी उनके प्रति वैसा ही किया करो।

बालक यीशु के जन्म की सबसे पहली खबर इस दुनिया के सबसे निर्धन वर्ग के लोगों को मिली थी. वे कड़ी मेहनत करने वाले गड़रिये थे. सर्दी की रात जब उन्हें यह खबर मिली तो वे खुले आसमान के नीचे खतरों से बेखबर सोती हुई अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे. एक तारा चमका और स्वर्ग-दूतों के दल ने गड़रियों को खबर दी कि तुम्हारे बीच एक ऐसे बालक ने जन्म लिया है, जो तुम्हारा राजा होगा. पूरी दुनिया के गरीब यह खबर सुनकर जहां खुश हुए, वहीं गरीबों पर जुल्म करने वाला राजा हेरोदेस नाराज हो गया. उसने अपने राज्य में 2 वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को कत्ल करने का आदेश जारी कर दिया, ताकि उसकी सत्ता को भविष्य में किसी ऐसे राजा से खतरा न रहे. अच्छाई को देखकर बुराई करने वाले इसी तरह दुखी और नाराज होते हैं. यही शैतानियत का प्रतीक है. ईसा मसीह इसी शैतानियत को तो खत्म करने के लिए आए थे.

ईसा मसीह ने मानव के रूप में जन्म लेने के लिए किसी संपन्न व्यक्ति का घर नहीं चुना. उन्होंने एक गरीब व्यक्ति के घर की गोशाला में घास पर जन्म लिया. दरअसल, वे गरीब, भोले-भाले और शोषित व पीड़ित लोगों का उद्धार करने आये थे. इसीलिए उन्होंने जन्म से ही ऐसे लोगों के बीच अपना स्थान चुना. यह बहुत बड़ा संदेश था.

30 वर्ष की आयु में ईसा मसीह ने सामाजिक अव्यवस्था के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की. उन्होंने जनता को दीन-दुखियों और लाचारों की सहायता करने, प्रेमभाव से रहने, लालच न करने, ईश्वर और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने, जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने, आवश्यकता से ज्यादा धन संग्रह न करने का उपदेश दिया. आज ईसा मसीह के दिए हुए संदेशों की प्रासंगिकता बहुत ज्यादा है, क्योंकि भले ही सामाजिक बुराइयों ने अपना रूप बदल लिया हो, लेकिन वे आज भी समाज में विद्यमान हैं और गरीबों, लाचारों, शोषितों, पीड़ितों और दलितों को उनका शिकार होना पड़ता है.

ईसा मसीह ने समाज को समानता का पाठ पढ़ाया था. उन्होंने बार-बार कहा कि वे ईश्वर के पुत्र हैं और भले ही इस दुनिया में क्रूरता, अन्याय और गैर-बराबरी जैसी अनेक बुराइयां हैं, पर ईश्वर के घर में सभी बराबर हैं. उन्होंने ऐसा ही समाज बनाने पर जोर दिया, जिसमें क्रूरता व अन्याय की जगह न हो और सभी प्रेम और समानता के साथ रहें. ऐसी ही एक कहानी बाइबिल में आती है, जो एक सामरी संप्रदाय की स्त्री की है. जब ईसा मसीह ने उससे पीने के लिए पानी मांगा तो स्त्री ने कहा कि तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों मांगता है? दरअसल, यहूदी लोग सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते थे और उन्हें कमतर मानते थे. लेकिन ईसा ने उसके हाथ का पानी पिया. ईसा मसीह ने दलित, दमित और असहाय लोगों को आशा और जीवन का संदेश दिया. उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण में लगाया. यही वजह थी कि उन्हें क्रॉस पर मृत्युदंड भी दिया गया. लेकिन दूसरों के हित में काम करने वाले मृत्युदंड से कब भयभीत हुए हैं. क्रिसमस का त्यौहार कई चीजों के लिए खास होता है जैसे क्रिसमस ट्री, स्टार, गिफ्टस आदि. और हां, कई लोग मानते हैं क्रिसमस के दिन सांता क्लॉज बच्चों को उपहार देता है. सांता क्लॉज को याद करने का चलन 4वीं शताब्दी से आरंभ हुआ था और वे संत निकोलस थे जो तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप थे. सांता क्लाज़ लाल व सफेद ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. क्रिसमस उम्मीदों और खुशियों का त्यौहार है. ईसा मसीह का जीवन और उनके उपदेश आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी अमीरी-गरीबी, जातिवाद और सामाजिक विसंगतियां समाज में मौजूद हैं. जब हम अपने आसपास नजर डालेंगे और गरीब व लाचार लोगों के दुख-दर्द को समझेंगे और ईसा मसीह की तरह अपनी कोशिशों से उनके चेहरे पर थोड़ी-सी मुस्कान लाएंगे, तभी हमें क्रिसमस की वास्तविक खुशियां मिलेंगी.

कैसे हुई सांता क्लॉज की प्रसिद्धि...

सांता क्लॉज को भले ही आधुनिक बाजारवाद का प्रतीक माना जाए लेकिन इस किंवदंती की उत्पत्ति सदियों पुरानी है। माना जाता है कि तीसरी सदी में तुर्की में जन्मे संत निकोलस का ही आधुनिक रूप है सांता क्लॉज। अपने धर्मालु और दयालु स्वभाव के कारण वे जबर्दस्त लोकप्रिय थे। उन्होंने अपनी तमाम पुश्तैनी धन-दौलत दान कर दी थी और दूर-दूर तक सफर करके वे गरीबों की मदद किया करते थे। उनकी प्रसिद्धि के साथ-साथ उनसे जुड़ी किंवदंतियां भी फैलती गईं। बच्चों के प्रति उनके स्नेह की कथाएं विशेष रूप से प्रचलित हुईं। 6 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि बड़े पैमाने पर मनाई जाने लगी। माना जाता है कि सेंट (संत) निकोलस का नाम ही बिगड़कर पहले सिंतर क्लॉस और फिर सांता क्लॉज हो गया। योरप में खूब फैलने के बाद सांता क्लॉज की प्रसिद्धि 18वीं सदी में अमेरिका पहुंची। 1773-74 में न्यूयॉर्क में बसे हॉलैंड मूल के परिवारों ने सामूहिक रूप से सिंतर क्लॉस की पुण्यतिथि मनाई। फिर 1804 में न्यूयॉर्क हिस्टॉरिकल सोसायटी की वार्षिक सभा में उसके एक सदस्य जॉन पिंटर्ड ने संत निकोलस के लकड़ी के कटआउट बंटवाए। इनमें संत की छवि काफी कुछ वैसी ही थी जैसी आज सांता की छवि हमारे सामने है। तब तक संत निकोलस/ सिंतर क्लॉस/ सांता क्लॉज का क्रिसमस के साथ कोई सीधा संबंध नहीं था। फिर 1822 में क्लेमेंट क्लार्क मूर ने अपनी तीन बेटियों के लिए एक लंबी कविता लिखी एन अकाउंट ऑफ ए विजिट फॉम सेंट निकोलस। इसमें सेंट निकोलस को एक गोलमटोल, हंसमुख बुजुर्ग बताया गया, जो क्रिसमस की पूर्व रात्रि में रेनडियर वाली गाड़ी में उड़ते हुए आते हैं और चिमनी केरास्ते घरों में प्रवेश कर घर में टंगी जुराबों में बच्चों के लिए उपहार छोड़ जाते हैं। यह कविता जब प्रकाशित हुई तो अमेरिका भर में सेंट निकोलस/ सांता क्लॉज लोकप्रिय हो गए। जर्मन मूल के अमेरिकी कार्टूनिस्ट थॉमस नेस्ट 1863 से प्रति वर्ष सांता की नई छवि गढ़ने लगे। 1880 के दशक तक सांता की छवि वह रूप ले चुकी थी, जिससे आज हम सब परिचित हैं।

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा जर्मनी में दसवीं शताब्दी के बीच शुरू हुई और इसकी शुरुआत करने वाला पहला व्यक्ति बोनिफेंस टुयो नामक एक अंगरेज धर्मप्रचारक था। इसके बाद अमेरिका के एक आठ साल के बीमार बच्चे ने क्रिसमस पेड़ को अपने पिता से सजवाया तब से क्रिसमस ट्री को रंग-बिरंगी बत्तियों, फूलों और कांच के टुकड़ों से सजाया जाने लगा। इंग्लैंड में 1841 में राजकुमार पिंटो एलबर्ट ने विंजर कासल में क्रिसमस ट्री को सजावाया था। उसने पेड़ के ऊपर एक देवता की दोनों भुजाएं फैलाए हुए मूर्ति भी लगवाई, जिसे काफी सराहा गया। क्रिसमस ट्री पर प्रतिमा लगाने की शुरुआत तभी से हुई। पिंटो एलबर्ट के बाद क्रिसमस ट्री को घर-घर पहुंचाने में मार्टिन लूथर का भी काफी हाथ रहा। क्रिसमस के दिन लूथर ने अपने घर वापस आते हुए आसमान को गौर से देखा तो पाया कि वृक्षों के ऊपर टिमटिमाते हुए तारे बड़े मनमोहक लग रहे हैं। मार्टिन लूथर को तारों का वह दृश्य ऐसा भाया कि उस दृश्य को साकार करने के लिए वह पेड़ की डाल तोड़ कर घर ले आया। घर ले जाकर उसने उस डाल को रंगबिरंगी पत्तियों, कांच एवं अन्य धातु के टुकड़ों, मोमबत्तियों आदि से खूब सजा कर घर के सदस्यों से तारों और वृक्षों के लुभावने प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया। वह सजा हुआ वृक्ष घर सदस्यों को इतना पसंद आया कि घर में हर क्रिसमस पर वृक्ष सजाने की परंपरा चल पड़ी। 1920 की बात है, सान फ्रांसिस्को शहर में पांच साल की बालिका की हालत गंभीर थी। उसके पिता सैंडी ने कुछ बड़े-बड़े मिट्टी के हंडों पर चित्रकारी की और उन्हें घर से सड़क की दूसरी तरफ रस्सी पर लटका कर दिखाया। वे इतने सुंदर लगे कि काफी लोग उन्हें देखने को इकट्ठे हो गए। सौभाग्य की बात थी कि नए साल तक बालिका भी ठीक हो गई। इस घटना से सैंडी बड़ा चकित हुआ। अब वह लोगों को क्रिसमस वृक्ष सजाने के अलावा लगाने के लिए भी कहता। उसने कैलिफोर्निया में एक संस्था बनाई, जो पेड़ लगाने के उत्सुक लोगों को रेडवुड वृक्ष के पौधे मुफ्त भेजती थी। सैंडी ने 20 साल तक रेडियो, समाचार-पत्रों आदि में लेख और व्याख्यान देकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए उत्साहित किया।

विदेशों में कैसे सजाया जाता है क्रिसमस ट्री

क्रिसमस ट्री की कथा है कि जब महापुरुष ईसा का जन्म हुआ तो उनके माता-पिता को बधाई देने आए देवताओं ने एक सदाबहार फर को सितारों से सजाया। कहा जाता है कि उसी दिन से हर साल सदाबहार फर के पेड़ को क्रिसमस ट्री प्रतीक के रूप में सजाया जाता है।

- योरपीय मुल्कों में क्रिसमस की पूर्व संध्या को क्रिसमस ट्री दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इस पर बिजली के रंगबिरंगे बल्ब जगमगाते रहते हैं। देश-विदेश के महकते फूल भी इसकी शोभा में चार चांद लगाते हैं। हीरे-मोती से जड़े कंगन इसकी पतली-पतली टहनियों में बड़ी तरकीब से पिरोए जाते हैं। ये कंगन अपनी बहुरंगी आभा से क्रिसमस ट्री को और भी ज्यादा रोशन करने लगते हैं।
- अमेरिका के अरबपति तो क्रिसमस ट्री की विशेष सज्जा के लिए कुछ खास किस्म के कीमती आभूषणों का प्रयोग करते हैं। ये आभूषण हवा के साथ-साथ तरह-तरह की खुशबू से महकने भी लगते हैं। बाद में इन आभूषणों को गरीबों में बांट दिया जाता है।
- स्विस वैज्ञानिकों का कहना है कि क्रिसमस के पेड़ में आनुवांशिक परिवर्तन कर उन्हें स्वयं ही प्रदीप्त होने वाला बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, आनुवांशिक परिवर्तन वाले पेड़ विद्युत सर्पमीन की तरह आवाज भी निकाल सकेंगे।
- इस संदर्भ में ज्यूरिख के वैज्ञानिक डॉ. बर्नार्ड का कहना है क्रिसमस ट्री में जैविक परिवर्तन कर प्रकाश संश्लेषण के जरिए विद्युत उत्पादन किया जा सकता है। हां, आनुवांशिक परिवर्तन के उपरांत इन पेड़ों को कहीं भी लगाया जा सकता है।
- इंग्लैंड के निवासी जन्मदिन, विवाह एवं मृत्यु पर क्रिसमस ट्री जमीन में रोपते हैं, ताकि धरती सदा हरियाली से झूमती रहे।

गो कैरोलिंग दिवस

दुनिया को शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन क्रिसमस से ठीक पहले उनके संदेशों को भजनों (कैरल) के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की प्रथा को विश्व के विभिन्न हिस्सों में 'गो कैरोलिंग दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

दिल्ली स्थित रोमन कैथलिक चर्च के प्रवक्ता फादर डोमेनिक इमैनुअल के अनुसार क्रिसमस से ठीक पहले कैरोलिंग दिवस के दिन ईसाई धर्मावलंबी रंगबिरंगे कपड़े पहनकर एक-दूसरे के घर जाते हैं और भजनों के माध्यम से प्रभु के संदेश का प्रचार-प्रसार करते हैं। उन्होंने कहा, 'प्रभु की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के समूह में भजन गायन का यह सिलसिला क्रिसमस के बाद भी कई दिनों तक जारी रहता है। कैरल एक तरह का भजन होता है जिसके बोल क्रिसमस या शीत ऋतु पर आधारित होते हैं। ये कैरल क्रिसमस से पहले गाए जाते हैं।'' डोमेनिक ने कहा, 'ईसाई मान्यता के अनुसार कैरल गाने की शुरुआत यीशु मसीह के जन्म के समय से हुई। प्रभु का जन्म जैसे ही एक गौशाला में हुआ वैसे ही स्वर्ग से आए दूतों ने उनके सम्मान में कैरल गाना शुरू कर दिया और तभी से ईसाई धर्मावलंबी क्रिसमस के पहले ही कैरल गाना शुरू कर देते हैं।'' फादर डोमेनिक ने कहा कि गो कैरोलिंग दिवस एक ऐसा मौका होता है जब लोग बड़े धूमधाम से प्रभु यीशु की महिमा, उनके जन्म की परिस्थितियों, उनके संदेशों, मां मरियम द्वारा सहे गए कष्टों के बारे में भजन गाते हैं। डोमेनिक ने बताया कि प्रभु यीशु मसीह का जन्म बहुत कष्टमय परिस्थितियों में हुआ। उनकी मां मरियम और उनके पालक पिता जोसफ जनगणना में नाम दर्ज कराने के लिए जा रहे थे।उन्होंने कहा कि इसी दौरान मां मरियम को प्रसव पीड़ा हुई लेकिन किसी ने उन्हें रूकने के लिए अपने मकान में जगह नहीं दी। अंतत- एक दंपति ने उन्हें अपनी गौशाला में शरण दी जहां प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ। फादर डोमेनिक ने बताया कि भारत में भी यह दिन बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर समेत समूचे पूर्वोत्तर भारत में लोग विशेषकर युवा बेहद उत्साह के साथ टोलियों में निकलते हैं और रात भर घर-घर जाकर कैरल गाते हैं।

उपहारों का आदान-प्रदान

लीजिए, क्रिसमस आ गया! प्रेम, करुणा, क्षमा और सद्भावना का संदेश देने वाले ईसा मसीह का जन्मदिन। यूं तो यह विश्व की एक तिहाई आबादी यानी ईसाइयों का त्योहार है, लेकिन क्रिसमस का तिलस्म ईसाइयों तक सीमित नहीं है और क्यों नहीं, आखिर ईसा का संदेश देश, काल, समुदाय, संस्कृति की सीमाओं से परे है। यही कारण है कि क्रिसमस की धूम किसी न किसी रूप में दुनिया भर में मची रहती है। क्रिसमस सिर्फ ईसा के शाश्वत संदेश को याद करने व उनके जन्म की खुशियां मनाने के पर्व तक सीमित नहीं है। विश्व के कई देशों में यह वर्षभर का सबसे बड़ा आर्थिक उत्प्रेरक भी है। इनमें विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाले अमेरिका, योरप के साथ-साथ अन्य कई देश भी शामिल हैं। जहां नुक्कड़ की दुकानों से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स तक में क्रिसमस पर तमाम वस्तुओं की बिक्री सामान्य से कई गुना तक बढ़ जाती है। अनेक छोटी-बड़ी कंपनियां इस अवसर पर अपने नए उत्पाद लांच करती हैं। लुभावने सेल व डिस्काउंट योजनाएं तो होती ही हैं। बिक्री इसलिए भी अधिक होती है क्योंकि लोग क्रिसमस पर केवल स्वयं के लिए ही खरीददारी नहीं करते बल्कि रिश्तेदारों, मित्रों, स्नेहियों को भेंट करने के लिए उपहार भी खरीदते हैं। कंपनियां अपने कर्मचारियों को उपहार देने के लिए थोक में ऑर्डर देती हैं। क्रिसमस पर जमकर खरीददारी करते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान भी करते ही हैं। पसंद न आने वाले उपहारों की आपस में अदला-बदली कर लेने का चलन भी काफी बढ़ गया है। आपको कहीं से मिला उपहार मुझे पसंद है और मुझे मिल गया है आपकी पसंद का उपहार, तो चलो एक्सचेंज कर लें। आप भी खुश, मैं भी खुश। उपहार देने वालों का कोई नुकसान नहीं हुआ और दुकानदार तो खैर, माल बेचकर खुश है ही। चारों ओर खुशियां फैलाने से बेहतर क्या तरीका होगा क्रिसमस मनाने का!

नए रंग-रूप में भारत पहुंचा एअर-इंडिया का पहला ए-350 विमान

नई दिल्ली । एअर इंडिया का पहला वाइड-बॉडी एयरबस ए350-900 विमान नए रंग रूप में भारत आ गया है। विमान ने फ्रांस के टूलूज से 01:30एएम सीईट भारतीय समयानुसार सुबह 6 बजे उड़ान भरी और लगभग दोपहर 1:47 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड किया। इस विमान को फ्रांस से भारत पहुंचने में 7 घंटे 47 मिनट का समय लगा। गौरतलब है कि 4 महीने पहले 10 अगस्त को एयरलाइंस ने नया लोगो अनवील किया था। इसके बाद 1 महीने पहले 17 नवंबर को नए लोगो और नए लिवरी के साथ एयरबस ए350 ने सिंगापुर से टूलूज के लिए पहली उड़ान भरी थी। एयरलाइंस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा था, भारत के मोस्ट अवेटेड एयरक्राफ्ट के आगमन की ओर एक और कदम।

एआईके पाइप्स की आईपीओ के लिए 89 रुपए प्रति शेयर कीमत तय

नई दिल्ली । पाइप बनाने वाली कंपनी एआईके पाइप्स एंड पॉलीमर्स ने 26 दिसंबर को खुलने वाले अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 89 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया है। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि 28 दिसंबर को बंद होने वाले इस निर्गम में 16.88 लाख नए शेयर जारी किए जाएंगे। इस निर्गम से कंपनी को 15.02 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। जयपुर स्थित एआईके पाइप्स ने कहा कि निर्गम के बाद उसके शेयरों को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध किया जाएगा।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 421 परियोजनाओं की लागत में 4.40 लाख करोड़ का इजाफा

- निगरानी में रखी गई 1,831 परियोजनाओं की कुल लागत 25,10,577.59 करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली । पिछले महीने नवंबर में 150 करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली 421 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में 4.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई है। एक आधिकारिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की इस रिपोर्ट के मुताबिक उसकी निगरानी में शामिल 150 करोड़ रुपये और उससे अधिक निवेश की 1,831 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से 421 परियोजनाओं की लागत बढ़ गई है जबकि 845 परियोजनाएं देरी से चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक निगरानी में रखी गई 1,831 परियोजनाओं की कुल लागत 25,10,577.59 करोड़ रुपये थी लेकिन उनके पूरा होने की अनुमानित लागत 29,50,997.33 करोड़ रुपये हो गई। इस तरह कुल लागत में 4,40,419.74 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्शाती है। नवंबर, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 15,58,038.07 करोड़ रुपये का खर्च आया, जो परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 52.80 प्रतिशत है। हालांकि इस रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि देरी की गणना समापन की नवीनतम अनुसूची के आधार पर की जाती है तो विलंबित परियोजनाओं की संख्या घटकर 629 हो जाती है। इसमें कहा गया है कि 308 परियोजनाओं के लिए न तो उसकी मंजूरी का वर्ष और न ही संभावित निर्माण अवधि की सूचना दी गई है। देरी से चल रही 845 परियोजनाओं में से 204 में एक से 12 महीने की देरी है जबकि 198 परियोजनाएं 13-24 महीने की देरी से चल रही हैं। वहीं 322 परियोजनाओं में 25-60 महीने की देरी है और 121 परियोजनाएं पांच साल से अधिक देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों ने इस देरी के लिए भूमि अधिग्रहण में देरी, वन और पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने में देरी और बुनियादी ढांचे के समर्थन की कमी को जिम्मेदार बताया है।

एफपीआई ने इस महीने अब तक 57,300 करोड़ का निवेश किया

- एफपीआई ने अक्टूबर में 9,000 करोड़ रुपए का निवेश किया था

मुंबई । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने राजनीतिक स्थिरता की संभावनाओं को देखते हुए इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 57,300 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। इसके पीछे भारत की आर्थिक वृद्धि में मजबूती दर्शाने वाले आंकड़ों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार गिरावट होने की भी अहम भूमिका रही है। इस सकारात्मक धारणा के बीच इस साल भारतीय बाजार में एफपीआई का कुल निवेश 1.62 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। बाजार` विशेषज्ञों ने कहा कि नए साल में अमेरिकी ब्याज दरों में कमी आने की उम्मीद है और ऐसे में एफपीआई वर्ष 2024 में भारतीय बाजार में अपनी खरीदारी बढ़ा सकते हैं। आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी बाजार में 57,313 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। यह एक साल में उनका एक महीने में सबसे अधिक निवेश है। इसके पहले एफपीआई ने अक्टूबर में 9,000 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। हालांकि डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि विदेशी निवेशकों ने अगस्त और सितंबर के महीनों में 39,300 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी। भारतीय बाजारों में एफपीआई के मजबूत प्रवाह के लिए कई कारकों को जिम्मेदार माना जा सकता है। बाजार` विशेषज्ञों ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता का माहौल और भारतीय बाजारों में व्याप्त सकारात्मक धारणा की इसमें अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश की स्थिर और मजबूत अर्थव्यवस्था, कंपनियों की आमदनी में असरदार बढ़ोतरी और लगातार कई कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) ने विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आकर्षित किया है।

अल्फा अल्टरनेटिव्स को दिलीप बिल्डकॉन में 10 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अल्फा अल्टरनेटिव्स ग्रुप को दिलीप बिल्डकॉन में 10 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रतिस्पर्धा आयोग ने नोटिस में कहा कि लेनदेन के तहत अल्फा अल्टरनेटिव्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एएएचपीएल) और इसकी अन्य संस्थाएं वारंट अभिदान के माध्यम से दिलीप बिल्डकॉन में 9.99 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगी। इसके साथ सीसीआई ने एएएचपीएल को अपने संबद्ध इकाइयों के साथ डीबीएल के विशेष उद्देश्यीय इकाइयों (एसपीवी) में 26 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण और कुछ गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) में निवेश को मंजूरी दी है। विशेष उद्देश्यीय इकाई सड़क ढांचागत क्षेत्र में हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (एचएएम) के तहत परियोजनाओं का परिचालन करती है। एएएचपीएल संपत्ति प्रबंधन कंपनी है। कंपनी अपने ग्राहकों की तरफ से पूंजी जुटाती है और निवेश करती है। उल्लेखनीय है कि इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी दिलीप बिल्डकॉन ने कहा कि वह अल्फा अल्टरनेटिव्स ग्रुप से 2,000 करोड़ रुपएतक जुटाने पर गौर कर रही है।

मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम पर मौद्रिक नीति समिति की कड़ी नजर

मुंबई ।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। समिति द्वारा दिसंबर की बैठक के दौरान खाद्य कीमतों पर अनिश्चितता से उत्पन्न मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिम पर ध्यान की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। बैठक के जारी विवरण के अनुसार, एमपीसी सदस्य शशांक भिडे ने खाद्य मुद्रास्फीति पर चिंता व्यक्त की जो छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मानसून के मौसम के दौरान प्रतिकूल वर्षा की स्थिति के प्रभाव के कारण कुछ मुख्य फसलों की पैदावार कम रहने की आशंका है जिसका असर खाद्य मुद्रास्फीति पर पड़ेगा। एमपीसी बैठक के विवरण में कहा गया है कि अल्पावधि में मुद्रास्फीति पैटर्न को प्रभावित करने वाले कारकों की एक श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए ओवरऑल मुद्रास्फीति 2023-24 की तीसरी और चौथी तिमाही में क्रमशः में 5.6 प्रतिशत और 5. 2 प्रतिशत तथा 2024-25 की पहली तिमाही में 5.2 प्रतिशत अनुमानित है। इसके बाद दूसरी तिमाही में इसके चार प्रतिशत और तीसरी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने की संभावना है। खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों के कारण नवंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5155 प्रतिशत बढ़ी, जो तीन महीने का उच्चतम स्तर है। आरबीआई के अधिकारी राजीव रंजन के अनुसार विकास के मोर्चे पर, अर्थव्यवस्था पूरी गति से चल रही है और मौद्रिक नीति इस उच्च विकास प्रक्षेपवक्र का समर्थन करने का सबसे अच्छा तरीका मूल्य स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखना है। एमपीसी में तीन आरबीआई सदस्य और तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं। दिसंबर में लगातार पांचवीं बैठक में उसने रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया था।

इस सप्ताह शेयर बाजार सीमित दायरे में रह सकता है: विशेषज्ञ

- क्रिसमस की छुट्टियां होने से वैश्विक स्तर पर संकेतों की कमी रहेगी

मुंबई ।

घरेलू स्तर पर कोई भी प्रमुख उत्प्रेरक नहीं होने से छुट्टियों वाले इस सप्ताह में शेयर बाजार के सीमित दायरे में ही रहने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों ने यह बात कही है। विशेषज्ञों के मुताबिक गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव सौदों की समाप्ति के बीच इस सप्ताह शेयर बाजार सूचकांकों को उतार-चढ़ाव रह सकता है। सोमवार को क्रिसमस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे। इस सप्ताह क्रिसमस की छुट्टियां होने से वैश्विक स्तर पर संकेतों की कमी रहेगी। इससे घरेलू बाजार की गतिशीलता ही उद्योग क्षेत्रों और खास शेयरों में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करेगी। विशेषज्ञों ने कहा कि सीमित संकेतों के साथ दिसंबर वायदा एवं अनुबंध सौदों की समाप्ति बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति ला सकती है। हालांकि भारत के इक्विटी बाजार का मूल्यांकन ऊंचा है लेकिन केंद्र में स्थिर सरकार आने की संभावना से सेंसेक्स और निफ्टी अभी ऊंचाई पर बने रह सकते हैं। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी 10 साल के निचले स्तर पर होने से ऋण बाजार में विदेशी खरीदारी आ सकती है। बाजार कुछ समय से रिकॉर्ड बनाने की होड़ में लगे हुए थे। ऐसे में मुनाफावसूली के रूप में इस पर लगाम लगने की आशंका बनी हुई थी। यही कारण है कि लगातार सात हफ्तों की बढ़त के बाद सप्ताह का समापन गिरावट के साथ हुआ है। एक अन्य बाजार के

जानकार ने कहाकि इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। क्रिसमस के साथ छुट्टियों का सिलसिला शुरू हो रहा है। ऐसे में हमें उम्मीद है कि इस सप्ताह विशिष्ट शेयरों पर जोर रहने के साथ बाजार सीमित दायरे में रहेंगे। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी।

31 दिसंबर से पहले जोड़ लें डीमैट अकाउंट में नॉमिनी का नाम

-स्पेशल डिपॉजिट स्कीम में निवेश सहित अन्य जरुरी काम भी कर लें

नई दिल्ली ।

आगामी 31 दिसंबर से पहले कुछ जरुरी काम कर लें, नहीं तो आपको परेशान होना पड़ सकता है। मसले ऐसे कई जरूरी काम हैं निपटाने के लिए अब 7 दिन से भी कम का समय बचा है। पहली बात तो यह कि अगर आपका डीमैट अकाउंट है और आपने अभी तक उसमें नॉमिनी ऐड नहीं किया है तो 31 दिसंबर तक कर लें। ऐसा न करने पर आपका अकाउंट फ्रीज हो सकता है। इसके अलावा आईडीबीआई बैंक की स्पेशल डिपॉजिट स्कीम भी इस महीने खत्म हो रही है। ऐसे ही कुछ काम और भी हैं जिन्हें 31 दिसंबर तक निपटाने हैं। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने डीमैट अकाउंट और म्यूचुअल फंड अकाउंट से नॉमिनी जोड़ने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया है। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटरी ने फिजिकल सिक्योरिटी होल्डर्स को पेन, नॉमिनेशन और केवायसी डिटेल्स अपडेट करने के लिए कहा है। अगर आपने अभी तक डीमैट अकाउंट में नॉमिनी ऐड नहीं किया है तो आपका अकाउंट फ्रीज हो सकता है। फिर उसमें से आप कोई रकम नहीं निकाल सकेंगे। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को अपने ग्राहकों को बैंक लॉकर के नए समझौते पर साइन करवाने के लिए कहा है। ये काम बैंक को 31 दिसंबर 2023 तक पूरा करना है। वरना आपको बाद में परेशानी हो सकती है। यूपीआई आईडी को सक्रिय करने का भी आखिरी मौका है। जैसे गूगल-पे, पेटीएम, फोन पे आदि से उन यूपीआई आईडी को बंद करने के लिए कहा है, जो एक साल से सक्रिय नहीं हैं। यूपीआई के जरिए भुगतान करने वाले ग्राहकों के पास अपनी आईडी को सक्रिय करने के लिए 31 दिसंबर तक मौका है। इसी तरह आईडीबीआई बैंक स्पेशल डिपॉजिट स्कीम अमृत महोत्सव चला रहा है। इसमें 375 दिन और 444 दिन की एफडी में निवेश करना होगा। 375 दिन की एफडी पर सामान्य नागरिकों को 7.10 प्रतिशत ब्याज, जबकि सीनियर सिटीजन्स को 760 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा।

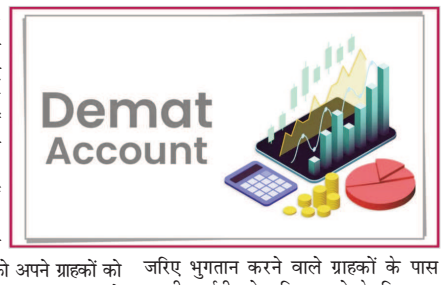

इंफोसिस से वैश्विक कंपनी ने 12,500 करोड़ का करार तोड़ा

मुंबई ।

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) समाधानों पर केंद्रित एक वैश्विक कंपनी के साथ उसका 1.5 अरब डॉलर (12,500 करोड़ रुपये) का करार खत्म हो गया है। इंफोसिस ने कंपनी का नाम और करार खत्म करने के कारणों के बारे में कुछ नहीं बताया है। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी ने 15 साल की अवधि के लिए इस समझौते पर सितंबर में हस्ताक्षर किया था। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया है कि वैश्विक कंपनी ने अब समझौते को समाप्त करने का फैसला किया है और दोनों कंपनियां मास्टर एग्रीमेंट को आगे नहीं बढ़ाएंगी। यह करार डिजिटल अनुभव मुहैया कराने के मकसद से किया गया था। इसके साथ ही कारोबार के ऑपरेशन को आधुनिकीकरण करना भी करार में शामिल था। बंगलूरू स्थित कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नीलांजन रॉय के इस्तीफा देने के दो सप्ताह के भीतर ही यह समझौता समाप्त हुआ है। इंफोसिस में लगभग छह साल तक रहने के बाद रॉय ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। इस समझौते का खत्म होना भारत में इंफोसिस और अन्य आईटी कंपनियों पर पिछली तीन से चार तिमाहियों में सुस्त कारोबार के कारण दबाव बढ़ने का संकेत देता है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से तीन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 70,312.7 करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस ने सबसे मूल्यवान कंपनी का स्थान बरकरार रखा

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच बीते सप्ताह देश की 10 प्रमुख कंपनियों में से तीन का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 70,312.7 करोड़ रुपए बढ़ गया, जिनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे रही। पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर मुनाफे की स्थिति में रहीं। हालांकि प्रमुख 10 कंपनियों में शामिल टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को नुकसान का सामना करना पड़ा। इन सात कंपनियों का संयुक्त रूप से घाटा 68,783.2 करोड़ रुपए रहा। हालांकि देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन इस अवधि में 47,021.59 करोड़ रुपए बढ़कर 17,35,194.85 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 12,241.37 करोड़ रुपएबढ़कर 6,05,043.25 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,049.74 करोड़ रुपएबढ़कर 12,68,143.20 करोड़ रुपएहो गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,235.29 करोड़ रुपए घटकर 6,97,095.53 करोड़ रुपए, टीसीएस का मूल्यांकन 12,715.21 करोड़ रुपएघटकर 13,99,696.92 करोड़ रुपए, एसबीआई का मूल्यांकन 10,486.42 करोड़ रुपए घटकर 5,68,185.42 करोड़ रुपए, इन्फोसिस का पूंजीकरण 7,159.5 करोड़ रुपए घटकर 6,48,298.04 करोड़ रुपए, आईटीसी का मूल्यांकन 3,991.36 करोड़ रुपए घटकर 5,67,645.03 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का मूल्यांकन 2,108.17 करोड़ रुपए घटकर 5,56,134.58 करोड़ रुपए और एलआईसी का 2,087.25 करोड़ रुपए घटकर 5,01,635.57 करोड़ रुपए रह गया।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में गिरावट रही

- बिनौला तेल की कीमतों में सुधार देखा गया

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल की थोक कीमतों में गिरावट आई जबकि बिनौला तेल में मामूली सुधार आया। मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के भाव पहले के स्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि बिनौला तेल कीमतों में मामूली सुधार देखा गया। मूंगफली का विकल्प माने जाने वाले बिनौला तेल का भाव का अंतर मूंगफली तेल से काफी बढ़ गया है। मूंगफली तेल का भाव लगभग 157 रुपए किलो है और बिनौला तेल का भाव 82.50 रुपए किलो है लेकिन आयातित सूरजमुखी तेल का भाव लगभग 82 रुपए किलो है। ऐसे में सूरजमुखी तेल के रहते बिनौला तेल के खपने की दिक्कत रहेगी। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,295-5,345 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,725-6,800 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,700 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,345-2,620 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 9,750 रुपएप्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,665 -1,760 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,665 -1,765 रुपए प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 9,650 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,500 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 7,925 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स कांडला 7,600 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 8,250 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 8,900 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 8,050 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,945-4,995 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,745-4,795 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,050 रुपए प्रति क्विंटल।

ओला इलेक्ट्रिक धन जुटाने आईपीओ ला रही

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक अब धन जुटाने के लिए सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का सहारा लेगी। ओला इलेक्ट्रिक ने इसी के तहत बाजार नियामक (सेबी) के पास शुरुआती दस्तावेज जमा कराए हैं। यह दो दशक में पहली बार है जब कोई वाहन निर्माता आईपीओ लाने जा रहा है। वहीं सेबी में दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 5,500 करोड़ रुपए तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और 9,51,91,195 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होगी।

इस आईपीओ से होने वाली आय का उपयोग अनुषंगी कंपनी द्वारा किए जाने वाले पूंजीगत व्यय, ओला गीगाफैक्टरी परियोजना के लिए ओसीटी, सहायक ओईटी द्वारा ऋण का भुगतान, अनुसंधान और उत्पाद विकास में निवेश, जैविक वृद्धि पहल और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

5500 हज़ार करोड़ रुपये के इश्यू जारी करेगी ओला

पूंजी बाजार में उतरने के लिए आईपीओ लाने वाली ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी देश की पहली इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी बनने जा रही है। इस संबंध में कंपनी ने सेबी में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर औपचो रिकता पूरी कर ली हैं। कंपनी ने 5500 हज़ार करोड़ रुपये के नए इश्यू जारी करने का फ़ैसला किया है जबकि 9.52 करोड़ रुपये के ऑफ़र फ़ॉर सेल जारी किए जाएंगे। ओला के आईपीओ के बारे में लिखा कि पिछले 20 साल के दौरान आईपीओ लाने वाली ओला पहली ऑटोमोबाइल कंपनी बन गई है। साल 2003 में मारुति उद्योग अपना आईपीओ लेकर आई थी। कोटक महिंद्रा कैपिटल की ओर से कंपनी के आईपीओ के लिए जारी पेपर में कहा गया है कि आईपीओ के ज़रिये जुटाई गई पूंजी से ओला इलेक्ट्रिक व्हीकल के इलेक्ट्रिक सेल के प्लांट का विस्तार किया जाएगा, बाकी पैसे का इस्तेमाल पुराने कर्ज़ के भुगतान में किया जाएगा।

कुछ पूंजी का इस्तेमाल इसकी एक सब्सिडियरी के कर्ज़ के भुगतान और आरएंडडी में किया जाएगा। आईपीओ के ज़रिये प्रमोटर अग्रवाल और इंडस ट्रस्ट, सॉफ्ट बैंक, मैट्रिक्स पार्टनर्स और टाइगर ग्लोबल अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल आईपीओ में अपनी 4.74 करोड़ शेयर बेचेंगे।

हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग से एयरलाइन को सालाना 1,000 करोड़ बचेंगे: सरकार

नई दिल्ली ।

हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग से एयरलाइंस को सालाना 1,000 करोड़ रुपए की बचत होगी। इससे उड़ान के समय, ईंधन के उपयोग और कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिलती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हाल ही में जारी विमानन क्षेत्र की समीक्षा में यह भी कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस साल 18 दिसंबर तक रिकॉर्ड 1,562 वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ की समस्या के समाधान के लिए कई यात्री संपर्क बिंदुओं पर क्षमता बढ़ाने के लिए विभिन्न हवाई अड्डों पर उपलब्ध टर्मिनल बुनियादी ढांचों को दोबारा बनाकर अतिरिक्त जगह बनाई गई है। इस बीच, मंत्रालय ने कहा कि पहले लगभग 40 प्रतिशत हवाई क्षेत्र नागरिक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं था, जिससे विमान अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबे मार्गों को अपनाते थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय वायु सेना राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के 30 प्रतिशत हिस्से को नियंत्रित करती है। इसमें से 30 प्रतिशत को हवाई क्षेत्र के लचीले उपयोग के तहत ऊपरी हवाई क्षेत्र के रूप में जारी किया गया है। आत्मनिर्भर भारत के हिस्से के रूप में भारतीय वायुसेना नागरिक उपयोग के लिए हवाई क्षेत्र के इन हिस्सों को छोड़ने पर सहमत हो गई है, साथ ही 129 सशर्त मार्गों की घोषणा की गई है। बयान में कहा गया` कि इससे उड़ान के समय, ईंधन की महत्वपूर्ण बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र टेस्ट में 8 विकेट से हराया

मुंबई (एजेंसी)। स्नेह राणा के चार विकेट, राजेश्वरी गायकवाड़ और हरमनप्रीत कौर के दो-दो विकेट और उसे बाद स्मृति मांधना की नाबाद 38 रनों की पारी की बदौलत भारत ने एकमात्र टेस्ट मैच के चौथे दिन रविवार को ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 261 रनों पर समेटने के बाद दूसरी पारी में 18.4 ओवरों में दो विकेट पर 75 रन बना कर मुकाबला जीत लिया।

75 रनों के लक्ष्य का पीछा करने भारत की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही है और पहले ही ओवर में उसने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा चार रन का विकेट खो दिया। वर्मा को गार्थ ने हीली के हाथों कैच आउट कराया। उसके बाद 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर गाडर्नर ने ऋचा घोष 13 रन को मैकग्रा हाथों कैच आउट करा दिया। स्मृति मांधना 38 रन और जेमिमाह रॉड्रिग्स 12 रन पर नाबाद रहते हुए भारत को 19वें ओवर में आठ विकेट से जीत दिला दी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में किम गार्थ और एश्ली गाडर्नर को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 233 स्कोर के बाद आज सुबह खेलना शुरु किया। पूजा वस्त्राकर ने एशले गाडर्नर को सात रन पर पगबाधा कर ऑस्ट्रेलिया को कल के 233 स्कोर पर ही छठा झटका दिया। 251 रन पर स्नेह राणा ने एनाबेल सदरलैंड को 27 रन पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां विकेट झटका। जेस जोनासेन नौ रन, किम गार्थ चार रन बनाकर आउट हुई। अलाना किंग शून्य को राणा ने बोल्ड आउट किया। ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 105.4 ओवर में 261 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया को 74 रन की बढ़त मिली।

भारत को जीत के लिए 75 रन बनाने और अभी करीब दो दिन का खेल शेष थे। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 63 रन देकर चार विकेट, राजेश्वरी गायकवाड़ 42रन देकर दो विकेट और हरमनप्रीत कौर 23 रन देकर दो विकेट लिए। पूजा वस्त्राकर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 219 रन और दूसरी पारी में 261 रन बनाए। दोनों बार भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम को ऑल आउट किया। भारत ने पहली पारी में 406 रनों का स्कोर खड़ा किया और मैच के चौथे दिन दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पहली पारी में भारत के चार बल्लेबाजो स्मृति मांधना 74 रन ,जेमिमाह रॉड्रिग्स 73 रन , ऋचा घोष 52 रन और दीप्ति शर्मा 70 रन ने अर्धशतक जड़े। भारत की स्नेहा राणा ने दोनों पारियों में सात विकेट हासिल किए वहीं पूजा वस्त्राकर ने दोनों पारियों में पांच बल्लेबाजों को आउट किया।

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पांच गेंदबाजों को शामिल किया

मुम्बई (एजेंसी)। लिटिल मास्टर के नाम से लोकप्रिय रहे दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय टीम चुनी है। गावस्कर ने अपनी इस टीम में पांच गेंदबाजों को शामिल किया है। इसमें तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनर हैं। वहीं विकेट कीपर के तौर पर लोकेश राहुल को जगह दी है। पारी की शुरुआत के लिए रोहित शर्मा के साथ युवा यशस्वी जायसवाल को रखा है। गावस्कर ने अपनी इस अंतिम 11 में युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को तीसरे नंबर-3 पर ही रखा है। गावस्कर ने कहा मेरी अंतिम ग्यारह 11 काफी सामान्य है। इसमें सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान रोहित शर्मा, नंबर-3 पर शुभमन गिल, चार पर विराट कोहली, नंबर-5 पर केएल राहुल, छठे पर श्रेयस अय्यर पांचवें या छठे नंबर पर उतरेंगे। वहीं अन्य बल्लेबाजों को जरुरत के अनुसार ऊपर नीचें कर सकते हैं।मास्टर ने इसके अलावा 5 गेंदबाजों के तौर पर रविंद्र जडेजा और आर अश्विन के साथ ही मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को रखा है।

गावस्कर ने कहा नंबर-7 और 8 पर रविंद्र जडेजा और आर अश्विन होंगे। इसके बाद मैं तीन तेज गेंदबाजों को रखूंगा जिसमें मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज शामिल होंगे।वहीं गावस्कर के अलावा पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी अंत 11 का चयन किया। मांजरेकर के भी शीर्ष छह खिलाड़ी वहीं रखें हैं जो गावस्कर की अंतिम 11 में हैं। उन्होंने गेंदबाजी इकाई में भी कुछ बदलाव किए हैं। शार्दुल ठाकुर और चार तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को उन्होंने रखा है। वहीं एक स्पिनर के रूप में उन्होंने रविंद्र जडेजा को शामिल किया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट मैच 26 दिसंबर से शुरु होगा।

सुनील गावस्कर की अंतिम ग्यारह 1- रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

दक्षिण अफ्रीका में खेलना सबसे कठिन मानते हैं शार्दुल

-पिच का आंकलन भी जरुरी

सेंचुरियन (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जहां 26 दिसंबर से यहां पहला क्रिकेट टेस्ट मैच शुरु होने जा रहा है। वहीं भारतीय टीम के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट खेलना काफी मुश्किल होता है। शार्दुल ने कहा कि इसी कारण खिलाड़ियों के लिए लक्ष्य निर्धारित करने से पहले पिच का आंकलन करना भी जरूरी है। इसलिए पिच की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही हमें खेलना होगा। यह एक ऐसा देश है जहां आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि आपको पिच से क्या मिलेगा। इसलिए वहां जाकर खेल खेलना सबसे अहम है। इसके साथ ही मैच के दिन पिच की स्थिति, मैदान की स्थिति का आंकलन करना होता है। उसके अनुसार ही रणनीति बनाकर आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। इस क्रिकेटर ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए दक्षिण अफ्रीका में ऊंचाई के हालातों से अभ्यस्त होना भी जरुरी होता है। साथ ही कहा, अभी मैं मौसम के अनुकूल अपने को ढाल रहा हूँ, मुझे यह भी पता चला है कि यहां ऊंचाई में खेलना कठिन होता है। अभ्यास इसलिए जरुरी है जिससे आपको सांस लेने में तकलीफ नहीं हो, जब आप यहां दौड़ रहे हों या गेंदबाजी कर रहे हों, तो इसका अनुभव प्राप्त करना बहुत कठिन होता है। जब आपकी सांस फूल रही हो, तब भी उसे ठीक रखना होता है। यहां जब आप गेंदबाजी कर रहे हों या बल्लेबाजी या फिर रन दौड़ रहे हों , तब भी आप अपनी पारी कैसे आगे बढ़ा सकते हैं इसका ध्यान रखना होगा। भारतीय टीम ने अब तक दक्षिण अफ्रीका में 23 टेस्ट मैच खेले हैं और उसमें उसेक केवल 4 मैचों में ही जीत मिली है। भारतीय टीम अब तक दक्षिण अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज जीत नहीं पायी है। इस बार यहां एकदिवसीय सीरीज जीतकर भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा।

बराबरी पर आने के लिए टीम इंडिया को सीरीज के दोनों मैच जीतने होंगे

नई दिल्ली(एजेंसी)। अगर भारतीय टीम सीरीज के दोनों टेस्ट मैच जीत जाती है तो वह साउथ अफ्रीका के साथ बराबरी पर आ जाएगी। बता दें कि 26 दिसंबर से टीम इंडिया को मेजबान टीम साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे दिग्गजों की वापसी होगी। टीम इंडिया को दक्षिण अफ्रीका दौरे पर कुल 2 टेस्ट मैच खेलने हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन पार्क में खेला जाएगा होगा। वहीं दूसरा टेस्ट भी इसी मैदान पर 3 जनवरी से खेला जाएगा। दोनों टीमों का ऐलान भी हो गया है। जानकारी के अनेसार साउथ अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर डीन एल्गर इस सीरीज के बाद संन्यास ले लेंगे। उन्होंने

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही है। गौरतलब है कि भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज पर कब्जा जमा लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब तक कुल 42 मैच खेले गए हैं। इस दौरान साउथ अफ्रीका का पलड़ा यहां भारी रहा है। भारतीय टीम ने जहां 15 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। वहीं अफ्रीकी टीम ने कुल 17 मुकाबलों में सफलता हासिल की है। इसके अलावा दोनों के बीच 10 मैच ड्रा रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया को इस टेस्ट सीरीज में एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा।

टेस्ट सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार है। भारत की टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), प्रसिद्ध कृष्णा और केएस भरत (विकेटकीपर) होंगे। जबकि साउथ अफ्रीका की टीम में टेम्बा बावुमा (कप्तान), डेविड बेडिंघम, नांद्रे बर्गर, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, कगिसो रबाडा, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरेन, गेराल्ड कोएट्जी, टोनी डी जोर्जी, डीन एल्गर, मार्को यानसेन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, कीगन पीटरसन शामिल हैं।

पीसीबी अब पीएसएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों के मीडिया अधिकार नहीं बेच सकेगा

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान सरकार ने अपने एक फैसले में कहा है कि क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब अंतरराष्ट्रीय मैचों और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के मीडिया अधिकार नहीं बेच सकेगा। सरकार के इस फैसले से हैरान क्रिकेट प्रबंधन समिति (सीएमसी) के प्रमुख जका अशरफ ने प्रधानमंत्री अनवारुल उल हक काकड़ से मिलने का समय मांगा है। सरकार ने ये निर्देश ऐसे समय दिये हैं जब पीसीबी के मामलों का प्रबंधन करने वाली सीएमसी ने पीएसएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मीडिया अधिकारों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी थी। वहीं अब' सरकार के अंतर प्रांतीय समन्वय (खेल) मंत्रालय ने बोर्ड को एक अधिसूचना जारी कर निर्देश दिया है कि अब से सीएमसी और पीसीबी को किसी भी बड़े करार पर हस्ताक्षर करने से पहले सरकार से मंजूरी लेनी होगी। इस अधिसूचना के कारण ही अशरफ को ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी है। माना जा रहा है कि सरकार की ये अधिसूचना अशरफ की अध्यक्षता वाली सीएमसी के खिलाफ अविश्वास मत है। जुलाई में सीएमसी प्रमुख का पद संभालने वाले अशरफ के कार्यकाल को नवंबर में तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया था जो अब चार फरवरी को समाप्त होगा। वहीं सीएमसी को कहा गया है कि क्षेत्रीय संघों के चुनाव और नए पीसीबी अध्यक्ष का चुनाव करने के लिए उसे 'गवर्नर्स बोर्ड का गठन करना होगा। पीसीबी को पीएसएल और घरेलू मैचों के अंतरराष्ट्रीय मीडिया अधिकारों की बिक्री से लगभग आठ से नौ अरब रुपए कमाने की उम्मीद है पर सरकार की अधिसूचना के बाद बातचीत में देरी से उसे इसमें नुकसान हो सकता है।

रबाडा-एनगिडी की वापसी से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका कोच बोले, पहला टेस्ट जीतेंगे

सेंचुरियन । तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी की वापसी से उत्साहित दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड ने कहा है कि उनकी टीम 26 दिसंबर से भारत के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगा देंगे। कोच ने रबाडा और एनगिडीएनगिडी के नेट अभ्यास शुरू करने के बाद कहा कि हमें भारतीय टीम के खिलाफ जीत की उम्मीद है। रबाडा चोटिल होने के कारण भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं थे। वहीं एनगिडी टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले बाएं टखने में चोट के कारण बाहर हो गए थे। रबाडा और एनगिडी ने नेट सत्र में जमकर अभ्यास किया। यहां उनका सामना अनुभवी बल्लेबाज डीन एल्गर से हुआ। एल्गर ने इस सीरीज के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। इस मैदान की तेज पिच गेंदबाजों के लिए सहायक होती है पर इसके बाद भी भारतीय टीम ने पिछले दौरे पर इस स्टेडियम में बेहतर प्रदर्शन किया था। कोनराड ने कहा कि उनके मुख्य तेज गेंदबाज तरोताजा हैं और पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी करेंगे। उन्होंने टीम के अभ्यास सत्र के पहले दिन कहा कि वे आक्रामक रणनीति अपनाएंगे। मैं हमेशा तरोताजा रहने वाले खिलाड़ियों पर भरोसा करता हूं। दोनों अनुभवी गेंदबाज बिना किसी मैच अभ्यास के इस मुकाबले में उतरेंगे पर कोच इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें अगर घरेलू मैचों में खेलना का मौका मिलता तो अच्छा होता लेकिन यही जीवन है।

हार्दिक पंड्या फिट , अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेंगे

मुम्बई । अपने खिलाड़ियों की चोट से परेशान भारतीय टीम के लिए एक अच्छी खबर आयी है। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले फिट है और इस सीरीज से मैदान में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक विश्वकप में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में घायल होने के बाद से ही टीम से बाहर चल रहे थे। इस कारण वह विश्वकप के कई अहम मुकाबले नहीं खेल पाये। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर जब वह वापसी नहीं कर पाये तक अंदाजा लगाया जा रहा था कि हार्दिक अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे पर अब पता चला है कि वह फिट हैं और अभ्यास कर रहे हैं। उनके आईपीएल नहीं खेलने की जो बातें सामने आयी हैं वह भी गलत बतायी जा रही हैं। ये भी कहा गया है कि हार्दिक पूरी तरह से फिट और स्वस्थ हैं। वह वर्क आउट भी कर रहे हैं। हार्दिक को मुम्बई इंडियंस ने ट्रेड विंडो के जरिये आईपीएल 2024 की नीलामी के पहले ही शामिल कर टीम का कप्तान बना दिया था। हार्दिक के फिट होने से अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए कप्तान की जो समस्या आ रही थी वह भी सुलझ गयी है। इस सीरीज के लिए कप्तान बनाये गये रितुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण पहले ही बाहर हैं।

क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार में शुभमन के जवाब ने प्रशंसकों का दिल जीता

-क्रिकेटर न होता तो वैश्रानिक होता

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल दक्षिण अफ्रीका में हैं और 26 दिसंबर से सेंचुरियन में मेजबान टीम के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट की तैयारियों में लगे हैं। इसी बीच सिएट क्रिकेट रेटिंग पुरस्कार समारोह में एंकर मयंती लैंगर के एक सवाल के जवाब में शुभमन ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। शुभमन ने कहा कि अगर वह क्रिकेटर न होते तो वैश्रानिक होते। इस शो में मयंती ने शुभमन की जिंदगी और करियर आदि से जुड़े सवाल पूछे। इस दौरान जब मयंति ने पूछा कि अगर आप क्रिकेटर न

होते तो आप कौन से क्षेत्र में जाना पसंद करते। तब शुभमन ने कहा कि मैं वैज्ञानिक के रूप में अपना करियर बनाने का प्रयास करता। शुभमन ने कहा कि विज्ञान कथाओं को पढ़ना उन्हें पसंद रहा है।

शुभमन का ये जवाब सोशल मीडिया में छा गया। प्रशंसकों इससे उत्साहित दिखे और उनकी प्रशंसा करने लगे। इस क्रिकेटर के इस जवाब ने पुरस्कार समारोह में काफी अच्छा माहौल बन गया क्योंकि उनका एक ऐसा पक्ष लोगों के सामने आया जो मैदान में नहीं दिखता। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस युवा बल्लेबाज की बुद्धि की प्रशंसा की और अन्य ने अप्रत्याशित करियर विकल्प पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं कुछ लोग इस बात से हैरान भी हुए। शुभमन ने वह इस साल एकदिवसीय प्रारुप में सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी हिस्सा लिया था पर उसके बाद टेस्ट पर ध्यान देने के लिए एकदिवसीय सीरीज नहीं खेली।

वेस्टइंडीज के पास टी20 विश्व कप जीतने का अच्छा अवसर : रसेल

तारौबा । इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से उत्साहित वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराऊंडर आंद्रे रसेल ने कहा है कि उनकी टीम जून में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरेगी। रसेल के अनुसार वेस्टइंडीज इस टूर्नामेंट में सभी टीमों को कड़ी टक्कर देगी। वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी20 मैच में इंग्लैंड को 3-2 से हराया है। इससे उसका मनोबल बढ़ा है। रसेल का मानना है कि पुरुष टी20 विश्व कप में उनकी टीम खिताबी दावेदारों को कड़ी टक्कर देगी। इस साल हुई अलग-अलग टी20ई सीरीज में वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका, भारत के बाद इंग्लैंड पर जीत दर्ज की है। ऐसे में उसका लक्ष्य तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतना रहेगा। टी20 विश्वकप 4 से 30 जून तक के बीच वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। रसेल ने कहा कि विश्व कप में उनके पास जीत के लिए अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि मुझे बहुत क्रिकेट खेलना है और यह अच्छी बात है। जब आप क्रिकेट खेल रहे होते हैं और प्रतियोगिता में होते हैं, तो आपका शरीर सक्रिय होता है और आप घर पर बैठकर विश्व कप का इंतजार नहीं कर रहे होते। हम निश्चित रूप से कुछ टीमें को टक्कर देने जा रहे हैं। इंगलैंड के खिलाफ हुई 5 मैचों की सीरीज में रसेल ने वेस्टइंडीज की ओर से शानदार गेंदबाजी की थी। वहीं बल्लेबाजी में उनका स्ट्राइक रेट 169.35 था। रसेल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, वापस आने और वेस्टइंडीज टीम में शामिल होने के लिए बुलावा मिलना बेहद अहम बात है। मैं पिछले दो वर्षों से काम कर रहा हूं। मैं इसका इंतजार कर रहा था। मैं बस इसके लिए उत्साहित हूं वापस आऊंगा और जीत हासिल करूंगा।

धोनी आईपीएल सत्र तक पूरी तरह फिट होंगे : विश्वनाथन

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ कासी विश्वनाथन ने कहा है कि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपनी घुटने की चोट से उबर गये हैं और उम्मीद है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2024 सत्र में खेलेंगे। विश्वनाथन के अनुसार धोनी के घुटने की सर्जरी सफल रही है और अब वह पूरी तरह से फिट हैं। अभी वह रहैबिलिटेशन और प्रशिक्षण सत्र से गुजर रहे हैं और हमें उम्मीह है कि आईपीएल सत्र तक वह पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। आईपीएल 2024 में धोनी के खेलने को लेकर प्रशंसकों के मन में कई आशंकाएं हैं क्योंकि उन्होंने सत्र घुटने की चोट के बाद भी खेला था। तब जीत के साथ सत्र समाप्त होने के बाद उनके घुटने की सर्जरी हुई थी जो पूरी तरह से सफल रही। पिछले सत्र में धोनी ने मैच के बाद कहा था कि यदि आप हातातों के अनुसार देखें तो संन्यास की घोषणा करने का यह सबसे अच्छा समय है और मेरे लिए यह कहना आसान बात है कि संन्यास ले लो पर सबसे कठिन काम 9 महीने तक कड़ी मेहनत करना और

एक और आईपीएल सत्र खेलने की कोशिश करना है। इसके लिए शरीर को भी देखना होगा। साथ ही कहा था कि सीएसके प्रशंसकों से मुझे जितना प्यार मिला है, उसे देखते हुए खेलना उनके लिए एक और सत्र खेलना एक उपहार की तरह होगा। जिस तरह से उन्होंने अपना प्यार और भावना दिखाई है, यह कुछ ऐसा है जो मुझे उनके लिए करने की जरूरत है। धोनी ने साल 2023 में 12 पारियों में 104 रन बनाए। ये रन उन्होंने 26 की औसत और 182 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से बनाए। इस सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 32 रन रहा था। धोनी 250 आईपीएल मैचों में 38.79 की औसत और 135 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 5,082 रन बनाए हैं, जिसमें 24 अर्धशतक और 84* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। वह आईपीएल इतिहास में 7वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। बहरहाल, दुबई में हाल ही में आयोजित मिनी-नीलामी पर विश्वनाथन ने कहा कि टीम भाग्यशाली थी कि उसने योजना के अनुसार सभी आधारों को कवर कर लिया। अब यह लड़कों पर निर्भर है कि वे मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करें। न्यूजीलैंड के स्टार ऑलराउंडर डेरिल मिशेल को 14 करोड़ रुपए की भारी कीमत पर खरीदने को लेकर सीएसके के सीईओ ने कहा कि हम मिशेल को लेकर उत्सुक थे। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन हम जानते थे कि यह जोखिम भरा था, हम उसे पाने का अवसर खो सकते थे क्योंकि उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। दिन के अंत में, हम उसे पाकर खुश हैं।

आईपीएल में कोई खिलाड़ी महंगा नहीं बिका : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 की नीलामी में कई खिलाड़ियों को मोटी रकम मिली है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को 20 और 24 करोड़ की राशि मिली है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स का मानना है कि कोई खिलाड़ी ज्यादा महंगा नहीं बिका। डिविलियर्स से जब पूछा गया कि नीलामी में क्या किसी खिलाड़ी को अधिक रकम मिली है तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा नहीं मानता। साथ ही कहा कि पिछली बार सैम कुरैन को जरुरत से ज्यादा रकम मिली थी। तब कुरैन को 18.50 करोड़ में पंजाब किंग्स ने खरीदा था। डिविलियर्स ने कहा कि मुझे विवाद में नहीं पड़ना पर मेरा मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से कुरैन को अधिक वेतन दिया जा रहा है हालांकि वह कोई खराब खिलाड़ी नहीं है। मैं उसे पसंद करता हूं। विश्व कप में उसका प्रदर्शन शानदार रहा था। लेकिन यह काफी साल पहले की बात है। मुझे नहीं लगता कि उसका हाल ही में प्रदर्शन अच्छा रहा है। इंग्लैंड के लिए भी वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर रहा है। डिविलियर्स ने यह भी कहा कि पंजाब को 2024 की नीलामी में अधिक खिलाड़ियों को खरीदने के लिए कुरैन को छोड़ देना चाहिए था। वह विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की तरह चीजों को बदल सकता है। कुरेन के खिलाफ कुछ भी नहीं। मुझे अभी भी लगता है कि वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि उसे कुछ वर्षों से अधिक भुगतान किया गया है।

कुश्ती संघ को निलंबित करने के फैसले पर बोले, बृजभूषण मैंने इससे संन्यास ले लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय खेल मंत्रालय के कुश्ती संघ को निलंबित करने के फैसले पर पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने कहा कि पहलवान साक्षी मलिक ने जिस प्रकार से संन्यास लिया है। उसी प्रकार मैंने भी संन्यास ले लिया है। साथ ही कहा कि 21 दिसंबर को ही कुश्ती से मैंने अपना नाता तोड़ लिया था। इसके बाद जो चुने हुए लोग महासंघ में आये हैं उन्हें तय करन है कि आगे क्या करना है। मेरे पास काफी काम है और मैं अब अपने लोकसभा क्षेत्र में चुनाव तैयारियों में लग रहा हूं। वहीं यौन शोषण के आरोपों पर बृजभूषण ने कहा कि पिछले 11 महीने से पहलवान ऐसा कह रहे हैं कहने दीजिए, मामला अदालत में है। इसमें लगातार राजनीति हो रही है 11 महीने से मैं ये झेल रहा हूं।

सरकार ने कुश्ती संघ को निलंबित कर सही कदम उठाया

वहीं कुश्ती संघ को निलंबित करने के फैसले को पहलवान साक्षी मलिक के ससुर सत्यवान कादियान ने सही ठहराया है। पहलवान सत्यवान कादियान ने कहा कि फेडरेशन में बृज भूषण का कोई निजदीकी नहीं होना चाहिए था। साथ ही कहा कि कमेटी में एक महिला का होना जरुरी हो। सत्यवान ने कहा कि संजय सिंह के अध्यक्ष बनने से ब्रजभूषण के पास ही सत्ता आ गयी थी। इसलिए कुश्ती संघ के निलंबन का फैसला सही है। ये फैसला पहले ले लेना चाहिए था। वहीं साक्षी द्वारा कुश्ती से सन्यास लेने की बात पर कहा कि अब वह दोबारा खेलेगी या नहीं, यह तो साक्षी ही बताएगी।साथ ही सरकार से मांग है कि बृजभूषण के किसी भी समर्थक को अब कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद पर न आने दिया जाये। साथ ही कहा कि किसी को भी बना दें, कई खिलाड़ी हैं। एक लड़की (महिला) भी फेडरेशन में होनी चाहिए। लड़कियां तो उसी से खुलकर बात कर सकती हैं। या फिर सरकार लड़कियों के लिए अलग से कुश्ती संघ बना दे।

कानूनी लड़ाई की तैयारी में निलंबित अध्यक्ष संजय

दूसरी ओर कुश्ती संघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा है कि इस मामले में वह कानूनी लड़ाई लड़ सकते हैं। संजय ने कहा कि वह इस मामले को कानूनी तौर पर उठाएंगे। इसके लिए हमारी कानूनी टीम काम कर रही है। इससे साफ है कि खेल मंत्रालय की कार्रवाई के खिलाफ संजय का गुट अदालत में जा सकता है। उनके एक करीबी ने कहा कि इस मामले को कानूनी तौर पर उठाने की तैयारी की जा रही है। खेल मंत्रालय के निलंबन के फैसले का हम मुकाबला करेंगे। हमारी कानूनी टीम इस पर काम कर रही है। निलंबित अध्यक्ष ने कहा, 'मुझे अभी तक कोई पत्र नहीं मिल है, मैं फ्लाइट में था अभी सुनने में आया है कि मेरी कामकाज पर रोक लगा दी गयी है।'

पी.पी. सवानी परिवार द्वारा 75 पिताविहीन बेटियों का अनोखा सामूहिक विवाह 'मावतर' समारोह आयोजित किया गया

सूरत।

हर साल की तरह, सूरत के पीपी सवाणी परिवार ने पीपी सावनी चैतन्य विद्यासंकुल, अन्नामा में च्मावतारज् नाम से 75 बेटियों का एक अनोखा और भावनात्मक विवाह समारोह आयोजित किया।

मंत्रियों, गणमान्य व्यक्तियों की प्रेरक उपस्थिति में आयोजित इस सामूहिक विवाह समारोह की सर्द शाम में ढोल ढबुक्या और वाद्ययंत्रों के साथ प्राचीन विवाह गीतों का मधुर संगम रचाया गया। सवाणी परिवार के आंगन से 75 बिन पिता बेटियों को भावभीनी विदाई दी गई. राजनीतिक गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों और सामाजिक नेताओं द्वारा कन्यादान किया गया।

पिछले 12 सालों से महेशभाई सवानी अपनी बेटी की शादी करके नहीं बल्कि एक पिता के तौर पर सारी जिम्मेदारियां निभाते हुए इस साल 4992 बेटियों के पिता बन गए हैं। कई लोग पीपी सवानी के सेवायज्ञ से प्रेरित हुए हैं जो पिछले एक दशक से लगातार चमक रहा है और कई अन्य संगठन और व्यक्ति पूरे गुजरात और अन्य राज्यों में भी विवाह समारोह आयोजित कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री सीआर पाटिल ने कहा कि सूरत समुहालगन की परंपरा सौराष्ट्र तक पहुंच गयी है. बिना पिता की बेटियों की शादी का यह विशेष कार्य एक अनोखी संवेदनशीलता को दर्शाता है। देश में कुछ ही उद्योगपति, सामाजिक नेता ऐसी नेक भावना और निस्वार्थ भाव से शादियों का आयोजन करते हैं। शादी के बाद भी अपनी बेटियों की चिंता कर सामाजिक जिम्मेदारी का काम करने के लिए महेशभाई को बधाई दी गई। श्री पाटिल ने कहा कि सवानी परिवार इस विशेष सामूहिक विवाह की योजना बना रहा है। महेशभाई और सवाणी परिवार को बेटियों की उतनी चिंता है जितनी रिश्तेदारों को नहीं। महेशभाई को पिताविहीन बेटियों के पिता के रूप में जाना जाने लगा है।

महापौर श्री दक्षेशभाई मवाणी ने कहा कि सवाणी परिवार के बिना पिता की बेटियों की शादी करने के नेक दृष्टिकोण ने कई उद्यमियों और सामाजिक अभिजात वर्ग को प्रेरित किया है। मैं स्वयं इस परिवार नियोजन में पहले दिन से ही एक स्वयंसेवक के रूप में शामिल हूं। इन सभी बेटियों के प्रति जीवन भर की जिम्मेदारी निभाने वाले महेशभाई सवाया पिता बन रहे हैं।

इस अवसर पर पी.पी. सवाणी ग्रुप के श्री महेशभाई सवाणी ने बताया कि दो बेटियों से शुरू हुआ विवाह महोत्सव आज 12वां विवाह समारोह आयोजित किया जा रहा है। 22 बेटियों को छोड़कर बाकी सभी बेटियों के न तो माता-पिता हैं और न ही भाई। इसलिए इस समारोह का नाम मावतर रखा गया है। इस समूह ने विवाह समारोह के माध्यम से पिता बनने की जिम्मेदारी निभाने का कार्य किया। बेटियों को सलाह देते हुए कहा कि सबको एक साथ रखकर परिवार को आगे बढ़ाएं। सभी को एक साथ रखें, एक रहें और दयालु बनें, परिवार और वैवाहिक जीवन की सभी जिम्मेदारियों का ख्याल रखें।

हजारों बेटियों के पालक पिता श्री महेशभाई सवानी ने कहा कि इस साल 75 में से 35 बेटियां अनाथ हैं, जिनके न तो माता-पिता हैं और न ही भाई। 25 एक बेटी है जिसकी बड़ी बहन की शादी हमारे ही मैरिज हॉल में हो चुकी है. दो बेटियां मूक-बधिर हैं। एक नेपाल से और एक ओडिशा से तथा उत्तर प्रदेश से दो बेटियां दांपत्य जीवन की शुभ शुरुआत के लिए सूरत आई हैं।

पीपी सवाणी परिवार उन हजारों बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और शादी की पूरी जिम्मेदारी लेता है, जिन्होंने अपने पिता का साया खो दिया है। महेशभाई सवानी ने कहा, 'हम सिर्फ होने वाली दुल्हन बनाने या बिजनेस देने का काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि मैं एक पिता की जिम्मेदारी भी निभा रहा हूं।' जिसमें न सिर्फ शादी बल्कि उसके परिवार की भी सारी जिम्मेदारी होती है।

इस अवसर पर देश के मशहूर 3डी कलाकार हसमुख मनिया ने सवाणी परिवार के मोभी वल्लभभाई सवाणी की जीवंत 3डी पेंटिंग बनाई। यह चित्र वल्लभभाई को उपहार स्वरूप दिया गया था।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री मुकेशभाई पटेल, शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया, महापौर दक्षेशभाई मवानी, विधायक सर्वश्री संगीताबेन पाटिल और प्रवीणभाई घोघरी, आतंकवाद विरोधी मोर्चा के एमएस बिट्टा, प्रायोशा प्रतिष्ठान-डांग, मोभी के श्री पीपी स्वामी सवानी परिवार के वल्लभभाई सवानी, साजन माजन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सुरत भुमि, सूरत। एकल युवा द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को सुबह दस बजे से कैनाल रोज़ स्थित शांतम में किया गया । शिविर में सिविल हॉस्पिटल ब्लड बैंक की टीम के सहयोग से कुल 73 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया । इस मौक़े पर एकल युवा द्वारा सभी रक्तदाताओं का सम्मान किया गया । इस अवसर पर एकल युवा के अनुराग अग्रवाल, रिषभ चौधरी, दुर्गेश मोर, प्रतीक कसेरा, गौतम प्रजापति, बालकिशन अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

सूरत लिटरेरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित सूरत लीट फेस्ट के अंतिम दिन पर भी वर्ष 2047 में भारत कैसा होगा उस पर मंथन हुआ

सुरत भुमि, सूरत। सूरत में स्थित वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी के प्रांगण में सूरत लिटरेरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित सूरत लीट फेस्ट के अंतिम दिन पर भी वर्ष 2047 में भारत कैसा होगा उस पर मंथन हुआ।

इस कार्यक्रम के पहले सत्र में राजनीति पर चर्चा हुई। जिसमें वर्तमान राजनीति में युवाओं की भागीदारी के साथ-साथ आज के समय में बदले राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर चर्चा की गई। जिसमें बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ई. पु. 2014 के बाद ही सही मायनों में लोकतंत्र आया है, इससे पहले कहा जाता था कि एक परिवार के लिए राजनीति ही राजनीती थी। जब की गुरु प्रसाद पासवान ने अपने पिता द्वारा दिये गये राजनीतिक विचारों पर अपनी बातें रखीं थी।

दूसरा सत्र विशेष सत्र के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने मौजूदा सरकार द्वारा कानून में बदलाव का विरोध किया और अपील की कि कानून बदलने से नहीं बल्कि व्यवस्था बदलने से लोगों को न्याय मिलेगा। इस सत्र का संचालन पत्रकार श्री सुमित अवस्थी ने किया था।

तीसरे सत्र में भारतीय सिनेमा पर चर्चा हुई, जिसमें मशहूर हिट फिल्म द केरला स्टोरी की एक्ट्रेस अदा शर्मा ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा की में फिल्म इंडस्ट्री से नहीं हूँ, बाहरी हूँ तो मुझे इंडस्ट्री का साथ नहीं मिला लेकिन मेरी फिल्म ज्ञ्यस कों जनता ने स्वयं प्रचार करके हिट करवाया। इसके साथ ही उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म बस्तर के बारे में भी बात की।

चौथा सत्र भारतीय मीडिया पर आयोजित किया गया, जिसमें पत्रकार अजीत भारती ने कहा कि "बहुत से लोग सोचते हैं कि सरकार विरोधी होना पत्रकारिता है। लेकिन यह काम नक्सली कर रहे हैं। जब की मीडिया को सकारात्मक बात भी करनी चाहिए।" वहीं स्वाति गोयल शर्मा ने लव जिहाद को लेकर अपने अनुभव के बारे में लोगों को बताया। पत्रकार अनुराग सक्सेना ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मौजूदा सरकार किस तरह विकास के साथ-साथ विरासत को भी कायम रख रही है। इस पूरे सत्र का संचालन दीपिका वशिष्ठ ने किया। दिन के अंत में पवित्रा श्रीनिवासन द्वारा गीता नाट्यम प्रस्तुत किया गया।

सूरत लिटरेरी फाउंडेशन द्वारा आयोजित सूरत लिट फेस्ट तीन दिवसीय कार्यक्रम का यह दूसरा संस्करण था। इन तीन दिनों में विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की कि अगले 25 वर्षों में जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा तो भारत कैसा होना चाहिए। सूरत लिटरेरी फाउंडेशन की ओर से आने वाले समय में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, उगत स्कूल में पायजामा पार्टी (क्रिसमस उत्सव) का आयोजन

सूरत।

क्रिसमस का त्यौहार छोटे बच्चों को सबसे ज्यादा पसंद होता है। इसका कारण यह है कि सांता क्लॉज़ यानी हमारे परिवार जो हमारा भला चाहते हैं, वे बच्चों के लिए नए-नए उपहार लाते हैं और उन्हें सांता जैसा महसूस कराते हैं। "द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल" अडाजण के सीबीएसई और जीएसईबी गुजराती और अंग्रेजी माध्यम के प्री-प्राइमरी सेक्शन के बच्चों को ऐसा ही महसूस कराने के लिए स्कूल परिसर में ही 23/12/2023 को एक पायजामा पार्टी (क्रिसमस उत्सव) का आयोजन किया गया था।

जिसमें स्कूल के बच्चों और उनके शिक्षक मित्रों ने स्कूल में नाइट आउट का आयोजन किया। इस प्लानिंग में बच्चों के लिए स्कूल परिसर टॉय ट्रेन (टॉय ट्रेन), कार्टून कैरेक्टर, जंपिंग, डीजे पार्टी, रैंपवर्क, सेल्फी जोन, टेंट हाउस, फायर शिविर, लाइव प्रदर्शन, आकाश अवलोकन, पटाखा शो, मूवी शो जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इन सभी गतिविधियों के बाद, ये छोटे कीड़े अपने दोस्तों और शिक्षकों के साथ स्कूल में सो गए, वही जगह थी जहाँ ये सभी छात्र नियमित स्कूल में अपनी पढ़ाई कर रहे थे। और अगले दिन यानी 24/12/2023 की सुबह यह छात्र अपने सपने की मीठी नींद का आनंद लेकर अपना उपहार लेकर घर लौट आया। लेकिन हकीकत तो ये थी कि इन मिसफिट्स को घर नहीं जाना था क्योंकि इन्हें स्कूल के सांता यानी अपने टीचर्स के साथ रहना था.

इस गतिविधि के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि आज के आधुनिक और मोबाइल तकनीक के युग में बच्चे बाहरी दुनिया को भूल चुके हैं और उनका बचपन विभिन्न समस्याओं से घिरा हुआ है। इसलिए स्कूल के प्रबंध निदेशक श्री किशनभाई मांगुकिया, स्कूल के प्री-प्राइमरी विभाग की संरक्षक श्री देविना दावावाला और उनकी टीम के सदस्य संगीता चावला, ध्रुति माधवानी, किम्मी मेहता इन बच्चों को उनकी हंसी (मुस्कान), उनकी कल्पनाशीलता देने के लिए धन्यवाद। , उनके सपनों को एक उपहार के रूप में और छोटे बच्चों को आत्मविश्वास, टीम निर्माण, विचारशीलता के साथ-साथ खुद में अच्छी चीजें सीखने के लिए एक पायजामा पार्टी (क्रिसमस उत्सव) मनाई गई।

स्कूल प्रबंधन का यह अनोखा प्रयोग इस हद तक सफल रहा कि स्कूल छोड़ने वाले बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों में आए बदलाव को देखकर गर्व से अभिभूत हो गए। तथा इन सभी गतिविधियों के लिए विद्यालय परिवार एवं विद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

तीसरे चरण के तहत गुजरात के IIIT के 42 छात्रों ने युवा संगम कार्यक्रम में बिहार की संस्कृति, परंपरा, प्रौद्योगिकी, प्रगति को जानने का अनूठा प्रयास किया

सूरत। भारत सरकार के एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत भारत के सभी राज्यों में चल रहे च्युवा संगम कार्यक्रमज् में पूरे गुजरात से 42 युवाओं की एक टीम ने 16 से 21 दिसंबर तक गुजरात और बिहार का दौरा किया. बिहार की संस्कृति, परंपरा, तकनीक और प्रगति को जानने के लिए आपसी संवाद। इसी बीच युवाओं ने संगम के लिए बिहार की यात्रा की। यात्रा के दौरान उन्होंने बिहार के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से भी बातचीत की और बिहार की समस्याओं और संस्कृति पर चर्चा की। इस 6 दिवसीय यात्रा में गुजरात के युवाओं ने बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा किया और वहां की गौरवशाली विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त की और बिहार की संस्कृति को गुजरात में फैलाने और प्रचारित करने का संकल्प लिया।

इस यात्रा में गुजरात के प्रतिनिधियों ने शिक्षा और नवाचार के नए क्षितिज तलाशने का प्रयास किया। बर्फ तोड़ने की गतिविधियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, जीविका इंडस्ट्रीज की यात्रा सहित रोमांचक गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू की गई। बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री की खोज करते हुए, प्रतिनिधियों ने यूनेस्को विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर, राजसी 80 फीट की बुद्ध प्रतिमा और गया में प्रेरक अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी का दौरा किया। चौथे दिन एक सांस्कृतिक और बौद्धिक यात्रा के बाद पटना में बिहार संग्रहालय का दौरा और उसके बाद ऐतिहासिक गवर्नर हाउस में बिहार के राज्यपाल के साथ एक व्यावहारिक बातचीत हुई। फिर पांचवें दिन, प्रतिनिधियों ने बिहार पुलिस अकादमी और प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में कानून प्रवर्तन के बारे में सीखा। साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ ज्ञान का आदान-प्रदान भी हुआ। यह परिवर्तनकारी यात्रा आईआईएम बोधगया में एक भव्य समापन समारोह में समाप्त हुई, जहां प्रमाण पत्र वितरित किए गए। और विकास और स्थिरता के प्रतीक के रूप में एक प्रतीकात्मक वृक्षारोपण समारोह आयोजित किया गया।

एकता पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सनराइज मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल और शेख क्लिनिक के सहयोग से एक मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया

सुरत भुमि, सूरत।

एकता पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मारुति नगर सर्कल के पास लिंबायत में सनराइज मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल और शेख क्लिनिक के सहयोग से एक मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लाभार्थियों ने लाभ उठाया। शिविर में आए सभी लाभार्थियों का डॉक्टरों द्वारा चेकअप किया गया और मुफ्त दवाइयां वितरित की गईं, जिसमें विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक नेताओं ने शिविर में भाग लिया। जिसमें लिंबायत थाने के पी.आई. श्री जोगवाना साहब उपस्थित थे। एकता पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जहीर खान पठान, राजिकभाई शेख, राजियाबेन टीचर, सलादीन सर, साबिरभाई हुसैन रहमान, बावा मीनू भाई, कबीरभाई नजराना बेन और ट्रस्ट के अन्य सदस्य उपस्थत थे।

अतिथियों में रिहाना बेन, जुबेर भाई सोडावाला, एडवोकेट जावेद मिर्जा, केसर अली, पीर जयादा साहब, सलीम भाई राणा, कालू भाई हाजी, इब्राहिम साहब, बब्बू भाई भाजपा जब्बा हाजी साहब, नूरू भाई चीनी, महाराष्ट्र समाज टीम और एडवोकेट स्वार्थी मेहता ने लोगों को एकता और भाईचारे का बहुत अच्छा संदेश दिया।

श्री स्वामीनारायण अकादमी की पहली एलुमनाई मीट

सूरत। श्री स्वामीनारायण अकादमी अडाजण सूरत में स्कूल के पूर्व छात्रों के लिए पहली एलुमनाई मीट आयोजित की गई थी। स्कूल के छात्र जो न केवल सूरत-गुजरात-भारत में बल्कि विदेशों में भी कई स्थानों पर बस गए और सफल हुए, उन्होंने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर स्कूल के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और अपने जीवन को आकार देने में स्कूल के योगदान पर बहुत गर्व महसूस किया। और कहा कि स्कूल ने उनमें न केवल शिक्षा बल्कि अच्छे संस्कार भी पैदा किये जिसका पता उन्हें तब चला जब वह बाहरी दुनिया में गये। कार्यक्रम में 15 वर्षों से विद्यालय की सेवा कर रहे टीचिंग नोन टीचिंग स्टाफ को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल का नया लोगो भी लॉन्च किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व छात्रों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया और कहा कि उन्हें इस स्कूल का हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)